संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 321
पृष्ठ 8
बुधवार
13 अगस्त 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com   सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- डायबिटीज से लेकर वेट लॉस तक...   विचार- ऑपरेशन सिंदूर, जितने मुंह, उतनी...   खेल- एशिया कप टी20 में अब तक...

एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर राज्यसभा में हंगामा, जेपी नड्डा बोले-

स्वस्थ लोकतंत्र में विश्वास नहीं करता विपक्ष

● नड्डा ने ज़ोर देकर कहा कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन नियमों के अनुसार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मंगलवार को राज्यसभा में कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे का विरोध किया, जब उन्होंने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का मुद्दा उठाने की कोशिश की। पहले के स्थगन के बाद दोपहर 3 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही, अध्यक्ष पद पर आसीन बीजद सदस्य सस्मित पात्रा ने कहा कि सूचीबद्ध कार्य पर विचार किया जाएगा और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025 को सदन में पारित करने के लिए पेश किया। विपक्षी सदस्यों ने अध्यक्ष से सदन में विपक्ष के नेता खड़गे को बोलने की अनुमति देने का आग्रह किया। खड़गे ने एसआईआर पर बोलने की मांग की और दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों, गरीबों और हाशिए पर पड़े वर्गों के वोटों पर इसके प्रभाव के बारे में आरोप लगाए। उन्होंने मोदी सरकार पर भी आरोप लगाए। विपक्षी सदस्यों ने एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर सदन से बहिर्गमन किया। सदन के नेता जेपी नड्डा ने खड़गे की टिप्पणी का खंडन करते हुए कहा कि विपक्ष स्वस्थ लोकतंत्र में विश्वास नहीं करता। नड्डा ने ज़ोर देकर कहा कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन नियमों के अनुसार। उन्होंने आगे

कहा कि सरकार बाधा और अराजकता की अनुमति नहीं देगी। उन्होंने कहा कि मैंने पहले भी कहा था कि विपक्ष का व्यवहार सदन के सुचारू संचालन में बाधा डालने की एक साजिश है। वे स्वस्थ लोकतंत्र में विश्वास नहीं रखते। 21 जुलाई को सरकार ने कहा था कि वह किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन नियमों के अनुसार। नड्डा ने सभापति से आग्रह किया कि विपक्ष के नेता द्वारा दिए गए ष्राजनीतिक बयानष को सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता ने व्यवस्था का प्रश्न उठाया, लेकिन उन्होंने उस पर चर्चा नहीं की, बल्कि उन्होंने श्श्रीमानश पर चर्चा की और एक राजनीतिक बयान दिया। मैं आग्रह करता हूँ कि इसे सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए। क्योंकि यह संसद के नियमों और विनियमों के अनुरूप नहीं है। वे (विपक्ष) हमेशा नियम 267 के तहत 'श्रीमान' पर चर्चा की मांग करते हैं, और हर दिन यह उत्तर दिया जाता है कि इस पर चर्चा नहीं हो सकती। नड्डा ने राज्यसभा की कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष की आलोचना की और कहा कि मानसून सत्र शुरू होने के बाद से 64 घंटे से ज़्यादा समय बर्बाद हो चुका है। उन्होंने कहा कि आज हम जिस विषय पर चर्चा कर रहे हैं, वह बीएसी की बैठक में तय हुआ था और इसमें बाधा डालना संसद को बंधक बनाने के समान है। हम बाधा या अराजकता की अनुमति नहीं देंगे; यह संसद नियमों के अनुसार चलेगी। सत्र शुरू होने के बाद से उन्होंने राज्यसभा के 64 घंटे और 25 मिनट बर्बाद कर दिए हैं। उन्हें बहस और चर्चा में कोई रुचि नहीं है। इसे हटाया जाना चाहिए।

संसद परिसर में विपक्ष का प्रदर्शन, सफेद टी-शर्ट पहनकर जताया विरोध

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग तक विपक्ष के मार्च को लेकर हुए हाई-वोल्टेज ड्रामा के एक दिन बाद, इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने बिहार में कथित मतदाता धोखाधड़ी और एसआईआर अभ्यास के खिलाफ मंगलवार को अपना विरोध प्रदर्शन जारी रखा। बिहार में निर्वाचन आयोग द्वारा की जा रही मतदाता सूची पुनरीक्षण की कवायद के खिलाफ मंगलवार को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) के घटक दलों के कई सांसदों ने संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। इनमें से कई सांसदों ने सफेद टी-शर्ट पहनी हुई थी, जिस पर राज्य की मतदाता सूची में कथित तौर पर शामिल '124 वर्षीय एक मतदाता' का नाम अंकित था। मिंता देवी उन मतदाताओं में से एक थीं जिनका

ज़िक्र कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कथित मतदाता धोखाधड़ी के मुद्दे पर दिए गए प्रेजेंटेशन में किया गया था। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने दावा किया कि ष124 वर्षीय मिंता देवीष हाल ही में जारी बिहार की मसौदा मतदाता सूची में पंजीकृत मतदाता हैं। मसौदा सूची में मिंता देवी की उम्र 124 वर्ष दर्ज है, जो दुनिया के सत्यापित सबसे बुजुर्ग व्यक्ति से नौ साल ज़्यादा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओ'ब्रायन, द्रमुक के टीआर बालू, राकांपा (एसपी) की सुप्रिया सुले, साथ ही वामपंथी दलों एवं अन्य विपक्षी दलों के सदस्य संसद के मकर द्वार के पास एकत्र हुए। उन्होंने हाथों में पोस्टर लिए हुए थे और नारे लगाते हुए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को वापस लेने की मांग की।

सजा की अवधि से अधिक समय तक जेल में बंद दोषी को रिहा करें : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा कि कोई दोषी व्यक्ति सजा की निर्धारित अवधि पूरी करने के बाद भी जेल में बंद है और किसी अन्य मामले में वांछित नहीं है तो उसे तत्काल रिहा किया जाए। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने 2002 के नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी सुखदेव यादव उर्फ पहलवान को रिहा

करने का आदेश देते हुए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह निर्देश दिया। न्यायालय ने कहा कि यादव ने इस साल मार्च में बिना किसी छूट के 20 साल की सजा पूरी कर ली है। पीठ ने इसके साथ ही सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिवों को निर्देश दिया कि वे यह पता करें कि कोई दोषी व्यक्ति सजा की निर्धारित अवधि से अधिक समय तक जेल में बंद तो नहीं है। यदि कोई दोषी व्यक्ति किसी अन्य मामले में वांछित नहीं है और निर्धारित अवधि से अधिक समय तक जेल में बंद हैं तो जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे शीघ्र रिहा किया जाए। पीठ ने कहा कि न्यायालय के इस आदेश को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव को भेजा जाए ताकि इससे राज्यों के जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों अवगत कराया जा सके।

केंद्र सरकार को भंग कर देना चाहिए... एसआईआर विवाद के बीच ऐसा क्यों बोले टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी

नई दिल्ली, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता अभिषेक बनर्जी ने मंगलवार को चुनाव आयोग की आलोचना करते हुए कहा कि अगर मतदाता सूची में त्रुटियाँ हैं, तो पूरी लोकसभा और केंद्र सरकार को भंग कर देना चाहिए, क्योंकि प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों के चुनाव के लिए इसी सूची का इस्तेमाल किया गया था। बनर्जी ने चुनाव आयोग पर कथित मतदाता सूची विसंगतियों पर सवालों से बचने का आरोप लगाया और गुजरात और पश्चिम बंगाल दोनों राज्यों में एक ही मतदाता पहचान पत्र संख्या वाले मतदाताओं के उदाहरण दिए। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग डरा हुआ है। पत्रकारों से बात करते हुए, अभिषेक बनर्जी ने कहा कि कल दिल्ली में लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहे विपक्षी सांसदों, जिनमें कई महिला

सांसद भी शामिल थीं, के साथ दिल्ली पुलिस ने जिस तरह का व्यवहार किया, उससे साफ है कि चुनाव आयोग डरा हुआ है। उनके पास हमारे सवालों का कोई जवाब नहीं है। अगर आपके पास कोई जवाब है, तो बताइए कि गुजरात और बंगाल दोनों राज्यों में एक ही मतदाता पहचान पत्र संख्या वाले मतदाता कैसे हैं? अलग-अलग मतदान केंद्रों पर एक ही नाम वाले मतदाता कैसे हैं? उन्होंने आगे कहा कि चुनाव आयोग कह रहा है कि मतदाता सूची में त्रुटि है। अगर हम मान लें कि वे सही हैं, तो इसी मतदाता सूची और मतदाता सूची के आधार पर एक साल पहले देश के प्रधानमंत्री चुने गए, भाजपा के 240 सांसद चुने गए, देश के गृह मंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और रक्षा मंत्री चुने गए... अगर मतदाता सूची में कोई अनियमितता है, तो पूरी लोकसभा भंग कर दीजिए... अगर आप एसआईआर करना चाहते हैं, तो कीजिए, लेकिन पहला कदम लोकसभा भंग करना होना चाहिए। टीएमसी नेता ने साफ तौर पर कहा कि केंद्र सरकार को भंग कर देना चाहिए।

'वोट चोरी' के आरोपों को दोहराते हुए बोले राहुल गांधी, पिक्चर अभी बाकी है

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को चुनाव आयोग पर श्एक व्यक्ति, एक वोटश के सिद्धांत को लागू करने का अपना कर्तव्य नहीं निभाने का आरोप लगाया और मतदाता सूची में अनियमितताओं के दावों का हवाला देते हुए कहा कि अभी पिक्चर बाकी है। गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी संविधान की रक्षा में लगी हुई है और आगे भी ऐसा करती रहेगी। राहुल गांधी ने भारत के चुनाव आयोग की तीखी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धांत को लागू करने में विफल रहा है, जिसे उन्होंने संविधान की नींव बताया। गांधी ने चुनाव आयोग पर अपने कर्तव्य की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और आगे भी करती रहेगी। उन्होंने कहा कि हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं। एक व्यक्ति, एक वोट संविधान की नींव है। एक व्यक्ति, एक वोट को लागू करना चुनाव आयोग का कर्तव्य है, लेकिन उन्होंने अपना कर्तव्य नहीं निभाया है। हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं, और हम इसे करते रहेंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं

से कहा कि सिर्फ़ एक सीट नहीं है (जहाँ 'वोट चोरी' हो रही है), बल्कि कई सीटें हैं। यह राष्ट्रीय स्तर पर और व्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है। चुनाव आयोग इसे जानता है और हम भी इसे जानते हैं। इससे पहले आज, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मुद्दे पर संसद में इंडिया ब्लॉक के अन्य सदस्यों के साथ विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। कई विपक्षी सांसद '124 नॉट आउट' नारे वाली सफ़ेद टी-शर्ट पहनकर संसद पहुँचे। माकपा सांसद पी. संदोष कुमार ने कहा कि विपक्ष अपने अभियान को तेज़ करने का इरादा रखता है, "इंडिया पार्टियों के नेता ज़्यादा उत्साहित हैं और यह एक अखिल भारतीय अभियान बन गया है। हम एसआईआर के ख़िलाफ़ अपनी लड़ाई तेज़ करेंगे। गठबंधन सहयोगियों के बीच अब और एकता है। यह लोकतंत्र को बचाने की एक बड़ी लड़ाई होगी..." राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार), सांसद सुप्रिया सुले और डीएमके सांसद कनिमोझी जैसे प्रमुख नेता विरोध प्रदर्शन के दौरान प्याज़ पकड़े हुए देखे गए। सोमवार को, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और इंडिया ब्लॉक के अन्य सांसदों को बिहार में कथित अनियमितताओं के विरोध में संसद से चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च करते समय दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष की लड़ाई राजनीतिक लड़ाई नहीं बल्कि संविधान बचाने की लड़ाई है।

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने के प्रस्ताव पर लोकसभा में मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को घोषणा की कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। लोकसभा अध्यक्ष ने घोषणा की कि समिति के सदस्यों में न्यायमूर्ति अमित कुमार, न्यायमूर्ति मनिंदर मोहन श्रीवास्तव और बी बी आचार्य शामिल हैं। बिरला ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए 146 सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। सर्वोच्च न्यायालय ने 7 अगस्त, 2025 को कहा था कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा, जिनके आवासीय परिसर में आग लगने के बाद जले हुए नोट मिले थे, को हटाने की सिफारिश करने वाली आंतरिक जांच प्रक्रिया को कानूनी मान्यता प्राप्त है। सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायमूर्ति वर्मा द्वारा दायर उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट और भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना की उस सिफारिश को चुनौती दी थी जिसमें उनके खिलाफ महाभियोग की कार्यवाही शुरू करने की सिफारिश की गई थी।

दिल्ली-एनसीआर में पुराने वाहनों पर फिलहाल नहीं लगेगी रोक... सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के कार मालिकों को बड़ी राहत देते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि 10 साल से पुराने डीजल वाहन और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहन रखने वालों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम), जो दिल्ली और पड़ोसी राज्यों के लिए एक केंद्रीय प्रदूषण-रोधी पैनल है। जुलाई में आदेश दिया था कि "जीवन-काल समाप्त" श्रेणी में आने वाले वाहनों को ईंधन की आपूर्ति बंद कर दी जाए। आदेश में उल्लिखित वर्षों से अधिक पुराने वाहनों को भी कबाड़ में डाल दिया जाना था। दिल्ली सरकार के विरोध और हस्तक्षेप के बाद, आदेश को 1 नवंबर

तक के लिए टाल दिया गया। बार एंड बेंच ने सीजेआई गवई के हवाले से कहा कि इस बीच, कार मालिकों के खिलाफ इस आधार पर कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी कि डीजल वाहनों के मामले में वे 10 साल पुराने हैं और पेट्रोल वाहनों के मामले में 15 साल पुराने हैं। इसे 4 हफ्ते बाद सूचीबद्ध करें। जुलाई में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने ष्पुराने वाहनों के लिए ईंधन नहींष नीति लागू की थी। हालाँकि, जनता के विरोध के कारण, घोषणा के दो दिन बाद ही इस नीति को रोक दिया गया। सरकार ने प्रतिबंध को प्रभावी ढंग से लागू करने में रसद संबंधी बाधाओं और बुनियादी ढाँचे की कमी का हवाला दिया। इसके बाद, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (ब।फड) ने 1 नवंबर से दिल्ली-एनसीआर में पुराने वाहनों में ईंधन भरने पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश जारी किया। इसके बाद दिल्ली सरकार ने इस प्रतिबंध को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी और कहा कि इन प्रतिबंधों का वैज्ञानिक आधार नहीं है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार की याचिका में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2018 में पारित उस आदेश की समीक्षा की भी मांग की गई है, जिसमें दिल्ली-एनसीआर में 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर प्रतिबंध लगाया गया था।

जंतर-मंतर पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, राहुल गांधी के वोट चोरी आरोपों पर कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा आयोग पर बार-बार वोट चोरी के आरोपों के जवाब में चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए अपने दिल्ली मुख्यालय से जंतर-मंतर तक मार्च निकाला।

युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने श्हल्ला बोल मार्चश भी निकाला, जिसके दौरान कई कार्यकर्ताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया। इससे पहले आज, मानसून सत्र के सत्रहवें दिन, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मुद्दे पर संसद में विरोध प्रदर्शन करने वाले इंडिया ब्लॉक के अन्य सदस्यों के साथ शामिल हुए। कई विपक्षी सांसद '124 नॉट आउट' के नारे वाली सफेद टी-शर्ट पहनकर संसद पहुँचे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार), सांसद सुप्रिया सुले और डीएमके सांसद कनिमोझी जैसे प्रमुख नेता विरोध प्रदर्शन के दौरान प्याज पकड़े हुए देखे गए। सोमवार को, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और अन्य भारतीय ब्लॉक सांसदों को बिहार में कथित अनियमितताओं के विरोध में संसद से चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च करते समय दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इस बीच, लोकसभा ने श्एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयकश पर संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट के कार्यकाल को बढ़ाने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया।

दुनिया में कई बड़ी ताकतें लेकिन..., आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का बयान, तेजी से आगे बढ़ रहा भारत

सीकर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को भारत की बढ़ती वैश्विक उपस्थिति पर प्रकाश डाला और कहा कि आज़ादी के बाद इसके पतन की भविष्यवाणियों के बावजूद, देश दुनिया की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रहा है। सीकर में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, भागवत ने भारत के लचीलेपन और प्रगति पर ज़ोर दिया, खासकर लोकतंत्र में, जहाँ देश ने कई देशों को पीछे छोड़ दिया है। भागवत ने कहा कि बड़ी शक्तियों के प्रभाव के बावजूद, भारत का विकास वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की उसकी क्षमता में स्पष्ट है। राजस्थान के सीकर में एक कार्यक्रम में बोलते हुए भागवत ने कहा कि आज हम देख रहे हैं कि

जब भी दुनिया को ज़रूरत होती है, भारत आगे बढ़ता है। अगर हम आज़ादी के बाद अपने देश के इतिहास को देखें, तो उस इतिहास के आधार पर कोई नहीं कह सकता कि भारत आगे बढ़ेगा। उन्होंने भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसने अपने आलोचकों को गलत साबित कर दिया है और अब यह कई देशों के लिए एक आदर्श है। उन्होंने कहा कि लेकिन आज, भारत बड़ी शक्तियों के बावजूद उभर रहा है और दुनिया में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। कुछ लोगों ने भविष्यवाणी की थी कि आज़ादी के बाद भारत में लोकतंत्र काम नहीं कर पाएगा। आज, जब हम लोकतंत्र की बात करते हैं, तो भारत दुनिया के कई देशों से आगे है। भागवत की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब विपक्षी दल यह आरोप लगा रहे हैं कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार चुनाव आयोग की मिलीभगत से चुनावी धोखाधड़ी करके देश में लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 2024 के आम चुनाव में ष्वोट चोरीष का आरोप लगाया था। विपक्षी दल चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को वापस लेने की भी मांग कर रहे हैं। उनका आरोप है कि इस प्रक्रिया से समाज का एक बड़ा वर्ग मताधिकार से वंचित हो जाएगा। सोमवार को, इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने एसआईआर को वापस लेने की मांग को लेकर दिल्ली स्थित चुनाव आयोग के मुख्यालय तक मार्च निकाला।

गुरु तेग बहादुर का 350वां शहीदी शताब्दी पर्व शुरू

प्रयागराज। श्री गुरु तेग बहादुर का 350वां शहीदी शताब्दी पर्व सोमवार को शुरू हुआ। इसके तहत 25 अगस्त तक गुरुद्वारों में श्रद्धा से 108 अखंड पाठ किया जाएगा। गुरुद्वारा महंत ज्ञान सिंह के अनुसार प्रयागराज में साहिब श्री गुरु तेग बहादुर का ऐतिहासिक धार्मिक तप स्थल है। गुरुजी यहां छह माह नौ दिन रहकर तप किया। साथ ही उनकी माता नानकी, उनकी धर्मपत्नी माता गुजरी, भाई मतिदास, भाई सतीदास, भाई दयाला, बाबा गुरबक्श सिंह, मामा कृपाल चंद सहित 500 श्रद्धालु सिख संगत रहे।

रील बनाते समय गंगा में गिरी युवती

प्रयागराज। युवाओं पर रील बनाने का क्रेज इस कदर सिर चढ़कर बोल रहा है कि इसके लिए वह अपनी जान तक जोखिम में डाल रहे हैं। ऐसा ही एक हादसा सोमवार दोपहर फाफामऊ पुल पर हुआ। अपने भाई के साथ पुल पर रील बनाते समय एक युवती गंगा में गिर गई। उधर, शास्त्री पुल से सुबह एक युवती ने कूदकर जान देने की कोशिश की। दोनों ही युवतियों की जल पुलिस व गोताखोरों ने जान बचा ली। पुलिस के अनुसार, प्रतापगढ़ जिले के कटरा गुलाब सिंह, जेठवारा निवासी राम सिंह की बेटी 22 वर्षीय पूजा सिंह सोमवार दोपहर लगभग तीन बजे अपने भाई आशीष सिंह के साथ फाफामऊ पुल पर पहुंची। पुल पर पूजा मोबाइल से रील बनाने लगी। इसी बीच अनियंत्रित होकर गंगा में गिर गई। आशीष सिंह के शोर मचाने पर गोताखोर लवकुश निषाद, शुभम निषाद व बबलू निषाद ने तत्परता दिखाते हुए पूजा को डूबने से बचा लिया।

बीए-एलएलबी की चौथी कटऑफ के विद्यार्थियों का प्रवेश शुरू

प्रयागराज। बीए–एलएलबी में दाखिले के लिए इलाहाबाद विश्वविद्यालय में मंगलवार से चौथी कटऑफ के अभ्यर्थियों का प्रवेश शुरू हो गया है। अनारक्षित वर्ग के 538.14, ओबीसी 506.90, एससी 451.73, एसटी 363, ईडब्ल्यूएस 517 या उससे अधिक अंक वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश मिलेगा। बीएससी बायो में अनारक्षित 496.33, एससी 445.84, एसटी 346.4 या उससे अधिक अंक, बीएससी गणित में अनारक्षित 414, ओबीसी 390, ईडब्ल्यूएस 384, एससी 338 या उससे अधिक अंक, पांच वर्षीय डिजास्टर मैनेजमेंट एंड इन्वायरनमेंट साइंस में अनारक्षित 391, ओबीसी 258, ईडब्ल्यूएस 327, एससी 246, एसटी 161 या उससे अधिक अंक, बीए में अनारक्षित 424, ओबीसी 374, एससी 221 या उससे अधिक अंक, बीकॉम में अनारक्षित 420, एससी 289, एसटी 172 या उससे अधिक अंक वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश मिलेगा।

सड़क धंसी, टूटा पाइप, 800 घरों की जलापूर्ति ठप

प्रयागराज। बालू से लदे ट्रक के दवाब में सड़क धंसने से अल्लापुर के 800 से अधिक घरों को मंगलवार सुबह पानी नहीं मिला। बाघंबरी रोड पर मंगलवार भोर बालू से लदा ट्रक सड़क से जा रहा था कि आठ मीटर तक सड़क धंस गई। इसकी वजह से आठ सेमी मोटा पानी का पाइप टूटा।

कारोबार: मथुरा में मुसलमानों को रहता है जन्माष्टमी पर्व का बेसब्री से इंतजार

—150 से अधिक कारखाने हैं पोशाक होती हैं तैयार, अधिकांश हैं मुस्लिम कारीगर

– सजावट भी करते हैं मुसलमान कारीगर, गोकुल में गाते हैं बधाई गीत

मथुरा। कारोबार का अपना गणित होता है। कान्हा की नगरी में मुसलमानों को भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का बेसब्री से इंतजार रहता है। इसकी वजह है कि कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर पोशाक, मुकुट, बांसुरी एवं ठाकुर जी के श्रृंगार का करोड़ों का कारोबार होता है। इन्हें तैयार करने के लिए 150 से अधिक कारखाने हैं। जिनमें बहुतायत में मुस्लिम कारीगर ही काम करते हैं। यह त्योहार उनके लिए वर्षभर की रोजी रोटी का जरिया है। मथुरा में पोशाक और मुकुट श्रृंगार का व्यवसाय फैला हुआ है। 150 से अधिक कारखानों में अधिकांश कारीगर मुस्लिम समाज के हैं, जो दिन रात भगवान श्रीकृष्ण के पोशाक और श्रृंगार का सामान तैयार करने में जुटे हुए हैं, वह इन लोगों की रोजी रोटी का भी एक साधन है। कान्हा के जन्मोत्सव का इंतजार इन्हें बेसब्री से रहता है। जन्माष्टमी से महीनों पहले से ही ये भगवान श्रीकृष्ण की पोशाकों को तैयार करने में लग जाते हैं। भगवान के मुकुट, गले का हार, पायजेब, बगल बंदी, चूड़ियां, कान के कुंडल जैसे आभूषणों को तैयार किया जाता है। तैयार होने के बाद इन्हें विदेशों में भी भेजा जाता है। इन लोगों पर अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड कनाडा, नेपाल और अफ्रीका से भी ऑर्डर आते हैं। कान्हा की नगरी

में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व आपसी सौहार्द की अनूठी मिशाल है। ठाकुर जी की पोषाक मुसलमान बनाते हैं वहीं गोकुल में नंदोत्सव के बाधाई गीत मुसलमान गाते हैं। इतना ही नहीं शहर भर में जगह जगह के काम में भी बडी संख्या में मुसलमान युवक उत्साह से अपना श्रम और योगदान देते हैं। कान्हा की पोशाकों को तैयार करने मे दिन रात मुस्लिम कारीगर लगे हुए हैं, पीढ़ी दर पीढ़ी इनका यह कारोबार चला आ रहा है। मथुरा में भगवान श्री कृष्ण के जन्म उत्सव को लेकर सभी तैयारियों में लगे हुए हैं, वहीं प्रशासन भी पूरी तरह भगवान श्रीकृष्ण के जन्म उत्सव को अबकी बार दिव्य और भव्य बनाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा हैं। जन्माष्टमी के अगले दिन गोकुल में सुबह जब कान्हा की जन्म की खुशियां मनाई जाती हैं तो बधाई गीत भी मुसलमान गाते हैं और शहनाई भी मुसलमान ही बजाते हैं। मुस्लिम कारीगर भगवान श्रीकृष्ण और राधा जी की सुंदर और आकर्षक पोशाक तैयार करने में लगे हैं। ठाकुर जी को जन्मोत्सव के दिन श्रृंगार में पहनाई जाने वाली पोशाकों के निर्माण में जुटे हुए हैं। इन पोशाक की भारत के विभिन्न शहरों में ही नहीं विदेशों में भी मांग है। मुस्लिम समाज के यह लोग भगवान श्रीकृष्ण की पोशाक बनाने का काम इनके पूर्वज भी इसी तरह किया करते थे। मुस्लिम कारीगर मोइनुद्दीन ने बताया कि 40 साल हो गये काम करते, विदेशों में भी जाती हैं हमारी पोशाक, इस पर फंर्ख महसूस करता हूं, हमारी किस्मत है कि ठाकुर जी ने हमें अपने कपड़ों को सिलने पर लगा रखा है। यह संदेश पूरा भारत में जाना चाहिए, भाईचारा सीखना है तो हमारे मथुरा वृंदावन से सीखें। पांच फुट के ठाकुर जी होंगे तो पोशाक सिलने में पूरा एक महीना लगता है। एक पोशाक में करीब पांच आदमी लगते हैं। हमें अच्छा लगता है, दिल को सुकून मिलता है, ठाकुर जी की पोशाक बनने में, भरत और भारत के बाहर के मंदिरों में हमारी पोशाक पहनाई जाती है।

गलियों में गंदगी, नलों में दूषित पानी, बाढ़ उतरते ही और बढ़ गई परेशानी

प्रयागराज। बाढ़ से जूझ रहे शहर को अब राहत की उम्मीद जगी है लेकिन गंगा–यमुना की उफनाती लहरें, जिन मोहल्लों में तबाही मचाकार शांत हुई हैं वहां अब लोग तमाम परेशानियों से जूझ रहे हैं। जैसे–जैसे बाढ़ का पानी घरों, दुकानों व गलियों से दूर हो रहा है अपने पीछे कई तरह की समस्याएं छोड़ता जा रहा है। इसमें सबसे बड़ी दिक्कत है कि गलियों में बजबजाता कीचड़ जो संक्रामक बीमारियों को न्योता दे रहा है। घरों में दूषित पेयजल की आपूर्ति होने से लोग बोतल का पानी खरीदकर कर पी रहे हैं। बिजली न होने से पंखे, कूलर, एसी सब बंद हैं।

किराये पर कमरा लेकर पढ़ने वाले प्रतियोगी छात्र परीक्षा की तैयारी को लेकर चिंतित हैं। मोहल्ले में बाढ़ का पानी उतरने के बाद साफ–सफाई न होने के गंदगी फैली हुई है। बाढ़ के कारण शहर के गंगा के तटीय कई मोहल्ले पानी में डूबे उनमें राजापुर का गंगानगर भी खासा प्रभावित रहा। लगभग 27 गलियों में बंटे इस मोहल्ले में इस समय कोई ऐसी गली नहीं है, जिसमें कीचड़ न हो। बाढ़ का पानी उतरने के बाद सड़कों पर लोग दिखने लगे हैं लेकिन गंदगी के कारण चेहरे पर रुमाल रखकर निकल रहे हैं। गंगानगर राजापुर के लोगों के बात की तो उन्होंने गलियों में फैली गंदगी, सीवर लाइन के चोक होने और दूषित पेयजल की आपूर्ति से संक्रामक बीमारी फैलने की संभावना जताई। चार दिन पहले गंगानगर राजापुर की गलियों में बाढ़ का पानी था। इन गलियों में नावें चल रही थीं। कई घर पूरी तरह से पानी में समा चुके थे। आपदा प्रबंधन की टीम लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचा रही थी।

हालांकि पहले की अपेक्षा अब हालात जरूर बदले हैं लेकिन गलियों में गंदगी के कारण आवागमन बंद है। गली नंबर 17 शिवजी मार्ग के आशीष ने बताया कि मोहल्ले में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव नहीं किया गया है। घरों और दुकानों में मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। गली नंबर 16 के आदर्श केसरवानी ने कहा कि यदि साफ–सफाई नहीं हुई तो इस बार ड़ेंगू का प्रकोप पहले ही शुरू हो जाएगा। राशन और

जरूरी चीजों के लिए लोग स्वयंसेवी संस्थाओं पर निर्भर हैं। बाढ़ से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। बिजली की कटौती से गलियों में अंधेरा है। गली नंबर 15 के शंकर सुमन ने बताया कि बाढ़ में ट्रांसफार्मर डूब गया था इसलिए एक सप्ताह से बिजली नहीं आ रही है। आवागमन के साथ पढ़ाई–लिखाई ठप है। बाढ़ के बाद गंदगी से लड़ रहे प्रतियोगी छात्र गंगानगर में बड़ी संख्या में प्रतियोगी छात्र किराये पर रहते हैं। बाढ़ का असर हजारों छात्रों की पढ़ाई पर भी पड़ा है। गली नंबर 16 के रहने वाले सौरभ यादव ने बताया कि किराये के मकान में पानी भर जाने के कारण टैगोर टाउन में रहने वाले मित्र के कमरे पर चला गया था। मंगलवार को कमरे पर आया लेकिन आसपास फैल रही दुर्गंध के कारण रहना मुश्किल हो गया। बुधवार रात से वायरल बुखार से पीड़ित हूं। एलएलबी छात्र चंदन तिवारी ने बताया कि किराये के कमरे में पानी घुसने के कारण पढ़ाई बंद है। गली में सीवर लाइन चोक होने के कारण दुर्गंध फैल रही है। एसएससी की तैयारी कर रहे सौरभ ने बताया कि दो दिन से उल्टी–दस्त हो रही है। कोचिंग जाना बंद है। उन्होंने कोचिंग संचालकों से फीस में और मकान मालिकों से किराए में राहत देने की मांग की। बाढ़ का पानी उतरा लेकिन दुकानों के शटर बंद गंगानगर की गलियों की दशा देखकर लगता है बाढ़ कितनी विकराल रही होगी। घरों की दीवारों पर तीन से चार फीट ऊपर तक निशान बन गया है। कई मकानों पर कमरा खाली है संपर्क करें.. की सूचना लगी है लेकिन घर में कीचड़ भरा है। सैकड़ों दुकानों के शटर अभी बंद हैं। घरों से पानी उतरने के बाद भी रहने के लायक नहीं है। शाम होते ही गलियां अंधरे में डूब जाती हैं। दुकानें बंद होने के कारण एक किमी दूर तक जरूरत के चीजें खरीदने के लिए लोगों को जाना पड़ता है। बाढ़ राहत शिविरों में रहने वाले लोग दिन में घरों को देखने आते हैं लेकिन मोहल्ले में फैली गंदगी के कारण फिर वापस चले जाते हैं। बिजली न आने से पानी से घर की साफ–सफाई नहीं हो पा रही है। शिकायतें – एक सप्ताह से मोहल्ले में बिजली आपूर्ति बाधित है। – गलियों और मुख्य मार्ग पर गंदगी फैली हुई है। – गंदगी की वजह से मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। – वायरल बुखार और उल्टी दस्त से लोग परेशान हैं। – नलों में गंदा पानी आ रहा है। समाधान – इलाके की बिजली आपूर्ति बहाल की जाए। –नगर निगम की से गलियों की सफाई की जाए। – मुख्य मार्ग पर फैले कूड़े को हटवाया जाए। – स्वास्थ्य विभाग की ओर से वार्ड में स्वास्थ्य शिविर लगवाए जाएं। – क्लोरीन की गोलियां बांटने के साथ फॉगिंग कराई जाए। ––हमारी भी सुनें–– बाढ़ का पानी कम होने के बाद मोहल्ले में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। करीब पांच दिनों बाद जब पानी कम हुआ तब बाढ़ के साथ आया कूड़ा–करकट गलियों–सड़कों पर बिखरा हुआ है। –दीपक कुमार घर में दूषित पानी की आपूर्ति हो रही है। शुद्ध पेयजल भी नहीं मिल रहा है। पानी कम हुआ लेकिन गंदगी का ढेर लगा हुआ है। सफाई व्यवस्था ठप हो गई है, जिसके चलते समस्या बनी हुई है। –ज्योति सफाई नहीं होने से बीते दो दिनों से गंदगी जमा है। खुद ही घर के बाहर सफाई कर रहे हैं। सफाई न होने से लोगों के अंदर रोष पनप रहा है। सफाई को लेकर हेल्पलाइन नंबर संपर्क किया लेकिन हल नहीं निकला। –सुनील कुमार बाढ़ के वक्त इलाके में नाव की व्यवस्था नहीं की गई थी। लोग निजी नाव का सहारा लेकर घरों से निकलते थे। वहीं, सफाई व्यवस्था बेपटरी हो चुकी है। कई बार समस्या से अवगत कराया गया किसी ने ध्यान नहीं दिया। –रामबाबू पाल बाढ़ के पानी के साथ गंदगी और कचरा भी बहकर आया है। पानी कम होने के बाद अब इलाके में गंदगी और मलबा जमा हुआ है। सफाई नहीं होने से स्थिति भयावह बनी हुई है। अबतक किसी ने सुधि नहीं ली है। –बीना इलाके में पेयजल की दिक्कत बनी हुई है। सीवर चोक होने के चलते गंदगी सड़क पर आ रही है। सफाई न होने से बीमारी फैलने का खतरा है। इसकी शिकायत की जा चुकी है पर समस्या का समाधान नहीं निकला है। –आशीष पानी कम होने के बाद समस्या और बढ़ गई है। इलाके में जगह–जगह कचरा फैला हुआ है, लेकिन अब तक इसकी सफाई को लेकर नगर निगम ने कुछ नहीं किया है। सफाई न होने से मच्छर पनप रहे है। –रवींद्र कुशवाहा जल्द ही मोहल्ले की सफाई नहीं हुई तो संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ जाएगा। इसके चलते लोगों में भय व्याप्त है, इसमें मुख्य रूप से डेंगू, चिकनगुनिया के मच्छर गंदगी वाली जगह पनप सकते हैं। –डॉ बृजेश कुमार छात्र किराये के कमरे में रहकर तैयारी करते हैं लेकिन बाढ़ आने के बाद कई छात्र अपने घर चले गए हैं। यहां पर सफाई मुख्य समस्या बनी हुई है। जिम्मेदारों को अब तक इसकी परवाह नहीं सता रही है। –अतुल पटेल करीब एक सप्ताह से मोहल्ले में बिजली नहीं है। इसके चलते शुद्ध पेयजल की आपूर्ति भी नहीं हो पा रही है। वहीं, सफाई नहीं होने से मोहल्ले में लोगों के सामने परेशानी बनी हुई है। नगर निगम को सफाई करानी चाहिए। –बृज नंदन सफाई हो तो यहां के लोगों को राहत मिले। सफाई नहीं होने से घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। बाढ़ आने से लेकर जाने तक जीवन अस्तव्यस्त हो गया है। पानी कम होने के बाद फैली गंदगी से समस्या और बढ़ गई है। –प्रवीण पटेल सफाई नहीं होने से इलाके में सैकड़ों परिवार परेशान हैं। लोगों को चिंता है कि सफाई नहीं हुई तो संक्रामक बीमारियां फैलने लगेंगी। सबसे ज्यादा दिक्कत बुजुर्गों और छोटे बच्चों को हो रही है। जिन्हें बुखार और अन्य बीमारियां चपेट में ले रही है। –अजय सिंह बाढ़ जाने के बाद अब मुश्किल और बढ़ गई हैं। मोहल्ले में बिजली, पानी और सफाई व्यवस्था नदारद है। इसके चलते आमजन को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जबकी हर माह सफाई शुल्क लिया जाता है।– विभा पाल

कम्पोजिट स्कूल में पीडीए की पाठशाला लगाने पर 16 पर एफआईआर, प्रभारी प्रधानाध्यापक सस्पेंड

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में बेसिक शिक्षा परिषद के कम्पोजिट विद्यालय लमाही हंडिया में अवैध रूप से पीडीए पाठशाला संचालित करने पर हंडिया के खंड शिक्षाधिकारी प्रभा शंकर पांडेय ने सोमवार को अतुल कुमार यादव और 10–15 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

इसी के साथ बीएसए देवब्रत सिंह ने स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक सुरेन्द्र प्रताप सिंह को लापरवाही बरतने पर निलंबित कर दिया है। खंड शिक्षा अधिकारी प्रभा शंकर पांडेय की ओर से कराई गई एफआईआर के मुताबिक रविवार को अवकाश के दिन काफी संख्या में लोगों को ले जाकर अनाधिकृत रूप से पीडीए पाठशाला संचालित कर दुष्प्रचार किया गया।

वहीं दूसरी ओर घटनाक्रम की जानकारी होने के बाद बीईओ प्रभा शंकर पांडेय ने स्कूल पहुंचकर गांव वालों, विद्यालय

के एसएमसी अध्यक्ष, ग्राम प्रधान तथा स्टाफ से जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के समय इंचार्ज प्रधानाध्यापक सुरेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक अध्यापिका नीलम शर्मा, ओम प्रकाश, सौरभ सिंह, विदिशा श्रीवास्तव और अनूप पांडेय, शिक्षामित्र पूजा देवी, ग्राम प्रधान राम आसरे, स्कूल मैनेजमेंट कमेटी (एसएमसी) अध्यक्ष देवदत्त, ग्राम सभा के अन्य नागरिक उपस्थित थे। विद्यालय में नामांकित 196 छात्र–छात्राओं में से 127 उपस्थिति मिले।

अमान्य विद्यालय के संचालन पर हेड पर कार्रवाई

बीएसए ने परिषदीय विद्यालय में अमान्य विद्यालय का संचालन कराने का प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर इंचार्ज प्रधानाध्यापक सुरेन्द्र प्रताप सिंह को निलंबित किया है। उन पर विद्यालय का भौतिक / शैक्षिक परिवेश असंतोषजनक / खराब रखने, आरटीई के विरूद्ध कार्य करने, सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली के विरुद्ध कार्य करने का आरोप है।

निलंबन अवधि में सुरेन्द्र प्रताप सिंह कम्पोजिट विद्यालय मैलवन फूलपुर से सम्बद्ध रहेंगे। अनुशासनिक प्रकरण की जांच के लिए खंड शिक्षा अधिकारी फूलपुर को जांच अधिकारी नामित किया गया है।

एआई व मशीन लर्निंग से सटीक लगा सकेंगे मौसम का पूर्वानुमान

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने मौसम के पूर्वानुमान की सटीकता बढ़ाने के लिए एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और मशीन लर्निंग पर आधारित एक नया मॉडल विकसित किया है। यह मॉडल सात से दस दिन पहले ही स्पष्ट और भरोसेमंद अपडेट देने में सक्षम होगा। विश्वविद्यालय के के. बैनर्जी सेंटर ऑफ एटमॉस्फियरिक एंड ओशन स्टडीज के वैज्ञानिकों ने इस शोध में 'पंगु–वेदर और 'ग्राफकास्ट जैसे आधुनिक मौसम मॉडल का उपयोग कर उन्हें भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप

ढाला है। इससे बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन जैसी आपदाओं का पहले ही पता लगाया जा सकेगा, जिससे जनहानि और नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकेगा।

प्रोजेक्ट के पीआई प्रो.सुनीत द्विवेदी ने बताया कि भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के प्रोजेक्ट के तहत केंद्र में जलवायु परिवर्तन पर वराहमिहिर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की है। इसी के तहत एआई आधारित नए मॉडल पर काम किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 20–30 सालों में कम्प्यूटर की क्षमता बढ़ने और मॉडल में सुधार होने से संख्यात्मक मौसम पूर्वानुमान (एनडब्ल्यूपी) मॉडल काफी उन्नत हो गए हैं, लेकिन ये अब भी छोटे पैमाने की स्थानीय मौसम घटनाओं का सटीक अनुमान लगाने में अक्सर कठिनाई महसूस करते हैं, लेकिन यह एआई आधारित प्रणाली डेटा के पैटर्न को गहराई से समझकर और लगातार अपडेट लेकर अधिक सटीक अनुमान लगाएगी। इस तकनीक को अगले चरण में भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से परीक्षण के बाद व्यापक उपयोग में लाया जाएगा। भविष्य में इसे कृषि, आपदा प्रबंधन और रक्षा क्षेत्रों में भी अपनाने की योजना है।

मुझ पर गोली चलाओ.., गोली चली और शहीद हो गए लाल पद्मधर

प्रयागराज। लाल पद्मधर सिंह वर्ष 1941 में स्नातक (विज्ञान) की पढ़ाई के लिए रीवां से इलाहाबाद विश्वविद्यालय आए थे। वे विश्वविद्यालय के उन 31 छात्रों में से एक थे, जिन्होंने 11 अगस्त 1942 को छात्रसंघ भवन में देश के लिए मर मिटने की शपथ ली थी। ठीक एक दिन बाद उन्होंने अपनी शपथ को पूरा करके दिखा दिया। जब अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन के लिए छात्रसंघ के अध्यक्ष कमलेश मल्ल, यदुवीर सिंह, हेमवती नंदन बहुगुणा, राजमंगल पांडेय की अगुवाई में एक जुलूस निकला तो दूसरा जुलूस का नेतृत्व करती हुई कमला त्रिपाठी, तेजी बच्चन, चिंता मालवीय, कांता कोचर के साथ दर्जनों छात्राएं कर्नलगंज व इंडियन प्रेस से होते हुए कचहरी की ओर बढ़ रही थीं।

वर्ष 1963 में छात्रसंघ अध्यक्ष रहे श्याम कृष्ण पांडेय बताते हैं कि कचहरी में कलक्टर डिक्सन, पुलिस कप्तान व तमाम अधिकारी मौजूद थे। सशस्त्र पुलिस का घेरा था। सभी राइफल–बंदूकें ताने खड़े थे। जुलूस के आगे छात्राएं तिरंगा लिए खड़ी थीं और उनके पीछे हजारों छात्र इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे। पुलिस की बंदूकों के निशाने पर सामने की पंक्ति में छात्राएं थीं, यह देखकर लाल पद्मधर सिंह भीड़ के पीछे से निकलकर छात्राओं के आगे और पुलिस की बंदूकों के सामने आकर सीना खोलकर चिल्लाए 'लड़कियों को क्यों निशाना बनाते हो, मुझ पर गोली चलाओ.., गोली चली और पद्मधर मौके पर ही कचहरी पार्क में शहीद हो गए लेकिन हाथ से तिरंगे को नीचे नहीं गिरने दिया।

इसके बाद कचहरी से लेकर छात्रसंघ भवन तक छात्रों में आक्रोश और अंग्रेजों को सबक सिखाने के लिए रणनीति बनाई जाने लगी। हजारों छात्रों का समूह लाल पद्मधर के पार्थिव शरीर को भवन पर लेकर पहुंचा।

महाकुम्भ में कैसे बनाया गया था स्टील ब्रिज

प्रयाागराज। मलाक हरहर से स्टैनली रोड तक गंगा पर बन रहे निर्माणाधीन सिक्स लेन ब्रिज का निरीक्षण सोमवार को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने किया। इस दौरान उन्होंने पूछा कि महाकुम्भ में स्ट्रील ब्रिज का निर्माण कैसे हुआ। इस दौरान उन्होंने ब्रिज के बारे में जानकारी ली। अफसरों ने बताया कि महाकुम्भ में इस पुल का काम नहीं हो सका था। जिस कारण स्टील ब्रिज बनाया गया था। इस पर जिलाधिकारी ने कहा कि महाकुम्भ अब बीत चुका है। इस काम को गुणवत्ता के साथ तेजी से पूरा करें। प्रयागराज लखनऊ मार्ग को जोड़ने के लिए यह अति महत्वपूर्ण परियोजना है। इस पुल का निर्माण समय से कराएं। जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन सिक्स लेन ब्रिज प्रोजेक्ट, महाकुम्भ में बनाए गए स्टील ब्रिज व ट्रैफिक मैनेजमेंट के बारे में प्रोजेक्ट मैनेजर से जानकारी ली, जिलाधिकारी को अफसरों ने बताया कि यहां का काम 80 फीसदी हो चुका है। गंगा का जलस्तर बढ़ा होने के कारण फिलहाल काम थोड़ा धीमे गति से हो रहा है, जो कि जल्द ही पूरा हो जाएगा। कुल चार हैंगिग पिलर हैं, जिनमें दो पिलर का कार्य पूर्ण हो गया है, एक पिलर में लगभग 60 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है, केवल एक पिलर पर कार्य अभी शेष है। जो कि तेजी से चल रहा है। पूरे सिक्स लेन ब्रिज के प्रोजेक्ट को जून 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। जिलाधिकारी ने प्रोजेक्ट मैनेजर से कहा कि ब्रिज के निर्माण में जिला प्रशासन से यदि किसी भी प्रकार के सहयोग की आवश्यकता हो, तो प्रशासन की ओर से पूरा सहयोग किया जाएगा।

लायंस क्लब मुजफ्फरनगर 'प्रयाग' की इंस्टॉलेशन सेरेमनी संपन्न!

मुजफ्फरनगर। लायंस क्लब मुजफ्फरनगर ष्प्रयागष (डिस्ट्रिक्ट 321–ब1) की इंस्टॉलेशन सेरेमनी होटल स्वर्ण इन में भव्य रूप से आयोजित की गई। कार्यक्रम के चेयरमैन लायन लावण्या पुरी और लायन कमल गोयल रहे। जबकि मुख्य अतिथि पीमेजी लायन विनय सिसोदिया (डिस्ट्रिक्ट गवर्नर) एवं उद्घाटन अधिकारी पीमेजी लायन विनय मित्तल (इंटरनेशनल डायरेक्टर एंडोर्स 2026–28) रहे। नवनियुक्त अध्यक्ष लायन राजेश गर्ग (2025–26) एवं उनकी टीम को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता पीमेजी लायन पंकज बिजलवान, जिला संरक्षक लायन कुंज बिहारी अग्रवाल, स्टार ऑफ द ईवनिंग एमजेएफ लायन अरविंद सांगल, क्लब गाइडिंग लायन पीमेजी लायन रीना अग्रवाल, इंस्टॉलेशन ऑफिसर पीमेजी लायन आदित्य गुप्ता और इंडक्शन ऑफिसर पीमेजी लायन नवीन अग्रवाल सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में लायन डॉ. विवेक कुमार एवं एमजेएफ लायन मनीष बंसल शामिल हुए। अधिष्ठापन समारोह में सात नए सदस्यों को सदस्यता की शपथ दिलाई गई। श्री सुनील गोयल श्री अभिषेक अग्रवाल श्री हर्ष गुलाटी, श्री अमित सिंघल ,श्री संजीव बत्रा, श्री अलालशोक शर्मा एवं श्री मनीष गोयल को शपथ दिलाई गई

क्लब द्वारा एक ट्राई साइकिल को फैब्रिकेटेड कर कर गरीब व्यक्ति को दान दिया गया जिसमें कि वह अपने जीवन यापन हेतु स्टेशनरी का सामान रख पाएगा, इसके अतिरिक्त एक व्हीलचेयर एक साइकिल तथा एक सिलाई मशीन भी समाज को समर्पित की गई। जिसका उद्घाटन माननीय गवर्नर एवं उनकी टीम ने किया। अधिष्ठापन समारोहमें लायंस क्लब मुजफ्फरनगर प्रयाग के सभी सदस्य तथा ऑफिसर्स उपस्थित रहे वहीं सभी क्लबो के अध्यक्ष सचिव कोषाध्यक्ष एवं ऑफिसर्स उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन लियोनेड रश्मि मिश्रा ने किया। अंत में सभी सदस्यों ने सामूहिक भोज में सहभागिता की।

भूरा पहलवान भाकियू अराजनीतिक के बने जिलाध्यक्ष

सैकड़ों किसान यूनियन में हुए शामिल

मथुरा। भारतीय किसान यूनियन अराजनीतिक में गांव सिहोरा निवासी भूरा पहलवान को संगठन के शीर्ष पदाधिकारियों ने मथुरा का जिलाध्यक्ष बनाया। किसान नेता भूरा पहलवान ने कहा कि वह पूरी ईमानदारी के साथ संगठन और किसान हितों में कार्य करेंगे।

भूरा पहलवान के नेतृत्व में प्रेम भरंगर मंडल उपाध्यक्ष,सुरेंद्र उर्फ होल्लु प्रधान सलाहकार, जिला कोषाध्यक्ष पोहप् सिंह, जीतू चौधरी जिला उपाध्यक्ष, अशोक चौधरी जिला सचिव, जिला उपाध्यक्ष भीमा चौधरी, चन्दु चौधरी जिला सचिव, राजकुमार गंधार जिला संगठन मंत्री, देव चौधरी जिला उपाध्यक्ष, जिला उपाध्यक्ष मुजाहिद कुरेशी, फ़ैज़ान कुरेशी महानगर अध्यक्ष, तनवीर अकरम, चिरागो लाला पहलवान , संजू चौधरी,बेदु पंडित,नगेंद्र चौधरी, उमेश चौधरी, मुनिया गंधार ,पंकज चौधरी, जग्गा भगत जी,दयाल सिंह गंधार,रिंकू गंधार, करण ठाकुर सहित सैकड़ों किसान संगठन में शामिल हुए।

संघर्ष, साहस और सेवा की मिसालः झरना मालिक बनीं इंटरनेशनल पर्पल फेस्ट 2025 की थैलेसीमिया ब्रांड एंबेसडर

दिल्ली। ओडिशा की रहने वाली और थैलेसीमिया मेजर से पीड़ित झरना मालिक ने यह साबित कर दिया है कि मजबूत इरादों के सामने कोई भी मुश्किल टिक नहीं सकती। 85ः स्थायी दिव्यांगता के बावजूद उन्हें इंटरनेशनल पर्पल फेस्ट 2025 के लिए थैलेसीमिया श्रेणी की ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। यह महोत्सव भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, गोवा सरकार के दिव्यांगजन आयुक्त कार्यालय और संयुक्त राष्ट्र भारत के सहयोग से आयोजित होगा, जिसमें दुनिया के लगभग 40 देशों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। जन्म से ही थैलेसीमिया मेजर से जूझ रही झरना को हर महीने नियमित रक्त चढ़वाना पड़ता है। यह बीमारी न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक और आर्थिक चुनौतियाँ भी लाती है, लेकिन इन सबके बावजूद उन्होंने हार मानने के बजाय दूसरों की

मदद का रास्ता चुना। कोविड–19 महामारी के दौरान बेहतर इलाज के लिए उन्हें अकेले दिल्ली आना पड़ा, जहाँ उन्होंने अपनी चिकित्सा जारी रखते हुए देशभर के थैलेसीमिया मरीजों के लिए रक्त, दवा और आर्थिक मदद जुटाने का कार्य जारी रखा। झरना वर्तमान में सर्वेशं मंगलम् फाउंडेशन की निदेशक हैं और अब तक कई रक्तदान शिविर, जनजागरूकता अभियान और रोगी सहायता कार्यक्रम आयोजित कर चुकी हैं, विशेष रूप से उन ग्रामीण और अर्ध–शहरी इलाकों में जहाँ स्वास्थ्य सुविधाएँ सीमित हैं। इसके अलावा, वे थैलेसीमिया डिसएबल्ड एंड वॉरियर्स संस्था की संस्थापक और ट्रस्टी हैं तथा थैलेसीमिया पेशेंट एडवोकेसी ग्रुप ऑफ इंडिया की सक्रिय सदस्य भी हैं। वर्ष 2016 में उन्होंने ओडिशा का प्रतिनिधित्व करते हुए विकलांगता अधिकार अधिनियम (त्ूक ।बज 2016) में थैलेसीमिया को शामिल कराने के राष्ट्रीय अभियान में भाग लिया। इस प्रयास के परिणामस्वरूप थैलेसीमिया को "विशिष्ट विकलांगता" के रूप में मान्यता मिली, जिससे मरीजों को शिक्षा, नौकरी और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में कानूनी अधिकार प्राप्त हुए। उनके नामांकन में दिल्ली स्थित क्लिंग भारती फाउंडेशन की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसने उनके अथक परिश्रम, निःस्वार्थ सेवा और प्रेरणादायक जीवन यात्रा को देखते हुए उन्हें पर्पल फेस्ट 2025 के लिए सिफारिश की। झरना का लक्ष्य न केवल जागरूकता फैलाना है, बल्कि एक ऐसा भारत बनाना है जहाँ थैलेसीमिया के नए मामले सामने न आएं और मौजूदा मरीज सम्मानजनक व आत्मनिर्भर जीवन जी सकें। उनका जीवन साहस, करुणा और सेवा का प्रतीक है, जो हजारों रोगियों के लिए उम्मीद की किरण बन चुका है।

विश्वनाथ में प्रथम बार साहित्य चिंतन तथा सांस्कृतिक संवाद पर आधारित सर्जनात्मक त्रैमासिकी पत्रिका का प्रकाशन को लेकर सभा

सभा में त्रैमासिक पत्रिका पूर्वोत्तर–ज्ञानधारा प्रकाशन समिति और संपादक मंडल का गठन

विश्वनाथ, असम। पूर्वोत्तर भारत के साथ असम राज्य के लिए हिंदी भाषा के प्रचार–प्रसार के साथ एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए विश्वनाथ चारिआलि के वरिष्ठ समाजसेवी तथा हिंदी सेवी स्वर्गीय शंकर प्रसाद गुप्ता के निवास स्थल में रविवार को संध्या 4 बजे जिला में प्रथम बार एक पत्रिका प्रकाशन हेतु एक सभा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार तथा हिंदी शिक्षक हरिप्रसाद लुइटेल (उपाध्याय) ने की। सभा के संयोजक संतोष कुमार महतो ने सभा की उद्देश्य व्याख्या पर प्रकाश डालते हुए कहा हमारे नवलेखक बहुत दिन से इच्छा थी कि विश्वनाथ से एक हिंदी का पत्रिका निकले जिससे हमारे आलेख के जरिए देश के अन्य हिस्सों से जुड़ सके। इसके बाद सभा में उपस्थित हिंदी सेवी सैयदा आनोवारा खातुन, चित्र प्रसाद पौड़ेल, नागेश कुमार गुप्ता,सत्यप्रकाश गुप्ता, सुरेंद्र कुमार सहनी, रामचंद्र कलवार,सुजीत कुमार शर्मा, अजय प्रसाद गुप्ता आदि ने अपने मंतव्य में इस ऐतिहासिक कदम की सराहना करते हुए पत्रिका प्रकाशन पर जोर दी। सभा कुछ महत्वपूर्ण प्रस्ताव लिए गए जिसमें प्रकाशन समिति तथा संपादक मंडल का गठन किया गया।सर्वप्रथम सभी के सर्वसम्मति से पत्रिका (साहित्य चिंतन तथा सांस्कृतिक संवाद पर आधारित सर्जनात्मक त्रैमासिकी पत्रिका)का नाम प्रस्तावित किया गया , जिसमें पत्रिका का पांच नाम रखा गया।क्रमशः इस प्रकार है–पूर्वोत्तर– ज्ञानधारा, पूर्वोत्तर–शब्दपथ

,पूर्वोत्तर–विचारसरिता ,पूर्वोत्तर चिंतनपथ,विश्वनाथ–विचारगंगा। सभा में इस पत्रिका में से सबसे ज्यादा जनमत ष्पूर्वोत्तर–ज्ञानधाराष को मिला। इसके बाद पूर्वोत्तर– ज्ञानधारा प्रकाशन समितिष का गठन किया गया , जिसमें सर्वसम्मति से प्रस्ताव और समर्थन लिया गया। समिति में अध्यक्षरू– हरि लुइटेल(उपाध्याय),कार्यकरी अध्यक्ष – नागेश कुमार गुप्ता,उपाध्यक्षरू– चित्रप्रसाद पौड़ेल,महासचिवरू– संतोष कुमार महतो ,सचिवरू– सैयदा आनोवारा खातुन ,सह सचिवरू– सुरेंद्र कुमार सहनी,प्रचार सचिवरू– अनुप शर्मा ,सदस्य क्रमशः रामचंद्र कलवार, गीता वर्मा, मनीषा पाल, राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, गायत्री कलवार ,प्रेम विश्वकर्मा,सत्यप्रकाश गुप्ता, बेददीप उपाध्याय,सुजीत कुमार शर्मा,अजय कुमार प्रसाद और मानव दे को रखा गया।परामर्श मंडल के रूप में केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक प्रोफेसर हेमराज मीणा, उत्तर प्रदेश के साहित्यकार मनोहर मधुकर , तेजपुर विश्वविद्यालय हिंदी विभाग के वरिष्ठ आचार्य डॉ० अनुशब्द, राजीव गांधी विश्वविद्यालय हिंदी विभाग के आचार्य डॉ० राजीव रंजन प्रसाद ,श्रीमान लोकनाथ उपाध्याय आदि रखा गया। इसके बाद पत्रिका संपादक मंडल का गठन किया गया।संपादक मंडल के प्रधान संपादकरू– संतोष कुमार महतो ,संपादकरू– सैयदा आनोवारा खातुन,सह संपादकरू– चित्र प्रसाद पौड़ेल, मनीषा पाल , रामचंद्र कलवार ,सुरेंद्र कुमार सहनी, सत्यप्रकाश गुप्ता , सुजीत कुमार शर्मा प्रबंधक रू– अजय प्रसाद गुप्ता को सर्वसम्मति से चुना गया।सभा के अध्यक्ष हरिप्रसाद उपाध्याय ने पत्रिका प्रकाशन के लिए प्रयोजन विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन देते हुए कहा हिंदीतर भाषी प्रदेश में इस तरह का पत्रिका निकालना बहुत ही गौरव का विषय है।यहां के नवलेखक हिंदी सेवी का एक ऐतिहासिक कदम है।हम सब एकजुटता से पत्रिका की उत्थान के लिए कार्य करेंगे।

अंत में उपस्थित सदस्यों ने इस पत्रिका प्रकाशन समिति तथा संपादक मंडल के देखरेख में आगामी हिंदी दिवस पर सितंबर 2025 में पत्रिका प्रकाशन पर जोर दी। विशेष इस पत्रिका में अपना आलेख प्रकाशित के लिए 9365096508, 9678772219 नंबर पर संपर्क करें। रचनाएं प्रेषित का अंतिम तिथि 25 अगस्त को है।

संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में शाम्भवी अव्वल

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय प्रयागराज एवं उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ के संयुक्त तत्त्वावधान में संस्कृत वाङ्मय की वैश्विक उपादेयता विषयक एकदिवसीय व्याख्यान संगोष्ठी का आयोजन जी सिक्स सभागार में किया गया। नितिन त्रिपाठी के वैदिक मंगलाचरण के उपरान्त कार्यक्रम संयोजक डॉ. प्रवीण कुमार द्विवेदी ने स्वागत उद्बोधन किया। विषय प्रवर्तक प्रो.राजकुमार गुप्त ने कहा कि ऐतिहासिक सांस्कृतिक स्रोत के रूप में संस्कृत स्वयं प्रामाणिक भाषा है। कार्यक्रम अध्यक्ष विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि संस्कृत में मानव कल्याण का भाव समाहित है। इसमें विश्व को जोड़ने की अद्भुत क्षमता है। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रो. मनोज कुमार मिश्र ने कहा लोक को संस्कृत शास्त्र के अनुरूप व्यवहार करना चाहिए। संस्कृत में जीवन के सारे पहलुओं का उल्लेख है। संस्कृत के बिना सभ्य समाज की परिकल्पना असंभव है। सारस्वत अतिथि प्रो. विनोद कुमार गुप्त ने कहा कि वैदिक वाङ्मय को भारतीय शिक्षा प्रणाली के समस्त पाठ्यक्रम का अनिवार्य हिस्सा होना चाहिए। विशिष्ट अतिथि डॉ. सन्त प्रकाश तिवारी ने कहा संस्कृत विश्व की निबन्धिनी भाषा है। संस्कृत में आहार व्यवहार का सम्यक् संकेत है।

विशिष्ट अतिथि डॉ मुदित पाण्डेय ने कहा कि सतत विकास के वैश्विक उद्देश्यों की चर्चा संस्कृत में की गई है। वैदिक मंत्रों में जल, ऊर्जा , शिक्षा,अन्न ,पर्यावरण का उल्लेख है। सारस्वत अतिथि डॉ. आरुणेश मिश्र ने कहा कि शिक्षा, साहित्य, स्वास्थ्य, सुरक्षा का संपूर्ण भाव संस्कृत में समाहित हैं। संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. विवेक कुमार सिंह ने कहा संस्कृत रचनात्मक ऊर्जा से पूर्ण भाषा है। विषय उपस्थापक प्रो. आशुतोष कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि जो लोक में है वही संस्कृत में है। संगोष्ठी का संचालन डॉ. पीयूष मिश्र ने किया। डॉ. प्रिया झा ने सभी अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित संस्कृत सप्ताह उत्सव के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को निर्णायकों के निर्णय के आधार पर सम्मानित किया गया। डॉ. सन्त प्रकाश तिवारी, डॉ.प्रवीण कुमार द्विवेदी, डॉ. पीयूष मिश्र तथा डॉ. प्रिया झा प्रतियोगिता के निर्णायक रहे। संस्कृत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में शाम्भवी द्विवेदी को प्रथम, हंसमुख कुमारी को द्वितीय तथा अवन्तिका तिवारी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। शोधपत्र वाचन

प्रतियोगिता में अनन्तजी मिश्र को प्रथम, नितिन त्रिपाठी को द्वितीय तथा शिखा श्रीवास्तव को तृतीय स्थान मिला। संस्कृत श्लोक पाठ प्रतियोगिता में शाम्भवी द्विवेदी को प्रथम, अवन्तिका तिवारी को द्वितीय तथा खुशी गौतम को तृतीय स्थान मिला। राघवेन्द्र द्विवेदी, अदिति तिवारी, निष्ठा एवं अनुपम द्विवेदी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। अतिथियों ने सभी विजेताओं को प्रमाणपत्र, स्मृति चिह्न सहित नगद राशि प्रदान कर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर डॉ. सौरभ द्विवेदी, डॉ. मनोज कुमार यादव, आचार्य आशुतोष इत्यादि प्राध्यापकगण सहित आर्यन, अनीशा, दिव्या ,दीक्षा, साक्षी, शशांक, संजीत, विनीत आदि सैंकड़ों विद्यार्थियों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। अन्त में राष्ट्रगान के साथ संगोष्ठी का समापन हुआ।

संस्कृत सप्ताह महोत्सव के अन्तर्गत गंगानाथ झा परिसर में प्रतियोगिताओं का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर प्रयागराज में संस्कृत सप्ताह महोत्सव के अन्तर्गत अन्तर्विद्यालय स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिताओं में योगसूत्र, संक्षेपरामायण, नीतिशतक, अमरकोष आदि ग्रन्थों पर आधारित प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रयागराज के विभिन्न विद्यालयों एवं गुरुकुलों के छात्र जिनमें महिला सेवा सदन इन्टर कॉलेज, श्री राधाकृष्ण वेद विद्यालय, सेण्ट एन्थोनी गर्ल्स इन्टर कॉलेज, केन्द्रीय विद्यालय ओल्ड कैंट, श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय समेत विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के छात्र–छात्राओं ने प्रतियोगिताओं में बढ़–चढ़कर भाग लिया।

प्रत्येक प्रतिस्पर्धा में विजयी छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। उक्त कार्यक्रम की संयोजिका प्रो. अपराजिता मिश्रा ने बताया कि परिसर में आयोजित प्रतियोगिताओं में योग सूत्र प्रतियोगिता में 4, नीतिशतक प्रतियोगिता में 14, संक्षेप रामायण प्रतियोगिता में 13 तथा अमरकोश प्रतियोगिता में 22 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग लिया। संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों का प्रतियोगितावार विवरण इस प्रकार रहा– संक्षेप रामायण प्रतियोगिता में महिला सेवा सदन

इन्टर कॉलेज की वैष्णवी सहाय ने प्रथम, शुचि शुक्ला (महिला सेवा सदन इन्टर कॉलेज) ने द्वितीय तथा महिला सेवा सदन इन्टर कॉलेज की ही अक्षांजलि रस्तोगी एवं वेद रिचा ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। परम्परागत ग्रन्थ पाठ प्रतियोगिता में श्री राधाकृष्ण वेद विद्यालय, झूँसी के सुधांशु मिश्र ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया। नीतिशतकम् प्रतियोगिता में उन्नति यादव (महिला सेवा सदन इन्टर कॉलेज) ने प्रथम, प्रसिद्धि सहाय (महिला सेवा सदन इन्टर कॉलेज) ने द्वितीय एवं साक्षी (महिला सेवा सदन इन्टर कॉलेज) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का प्रोत्साहन पुरस्कार सेण्ट एन्थोनी कॉन्वेन्ट गर्ल्स इण्टर कॉलेज की सुनिति त्रिपाठी एवं केन्द्रीय विद्यालय, ओल्ड कैंट के प्रखर जी अग्रवंशी ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया। परम्परागत (नीतिशतकम्) प्रतियोगिता का प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त करने में श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के छात्र सफल तिवारी, आशीष तिवारी एवं नैतिक पाण्डेय भी सम्मिलित रहे। योगसूत्र प्रतियोगिता के प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में अमित त्रिपाठी (श्री सच्चा बाबा अध्यात्म आश्रम) एवं ऋषभ तिवारी (उच्चतर महाविद्यालय) सम्मिलित रहे। अमरकोष प्रतियोगिता के विजेताओं में प्रथम स्थान नयन तिवारी (श्री राधाकृष्ण वेद विद्यालय, झूँसी) द्वितीय स्थान अर्पित अग्निहोत्री (श्री सच्चा बाबा अध्यात्म आश्रम) एवं तृतीय स्थान उत्सव पाण्डेय (श्री राधाकृष्ण वेद विद्यालय, झूँसी) एवं आदेश शुक्ला (सच्चा बाबा अध्यात्म आश्रम) ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया। प्रतियोगिता का प्रोत्साहन पुरस्कार अनन्त शंकर मिश्र (श्री राधाकृष्ण वेद विद्यालय, झूँसी), विमलेश नाथ मिश्र (श्री राधाकृष्ण वेद विद्यालय, झूँसी), ऋषभ मिश्र एवं कनिष्क पाण्डेय (सच्चा बाबा अध्यात्म आश्रम, अरैल), अर्पित पाण्डेय (स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, झूँसी) ने प्राप्त किया। संस्कृत सप्ताह महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रयागराज के महिला सेवा सदन इन्टर कॉलेज, श्री राधाकृष्ण वेद विद्यालय, सेण्ट एन्थोनी गर्ल्स इन्टर कॉलेज, केन्द्रीय विद्यालय ओल्ड कैंट, श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय समेत विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। परिसर के मीडिया प्रभारी श्री राजेशकान्त तिवारी (संगणक विशेषज्ञ) ने बताया कि प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज के धर्मशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस", डॉ. शालिग्राम त्रिपाठी (वरिष्ठ प्रवक्ता राजकीय इन्टर कॉलेज), डॉ. तेजप्रकाश चतुर्वेदी, सहायकाचार्य,संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं डॉ. आशीष कुमार त्रिपाठी, सहायकाचार्य, संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय सम्मिलित रहे। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. अपराजिता मिश्रा एवं सुश्री अश्विनी राजेश लंके ने किया।

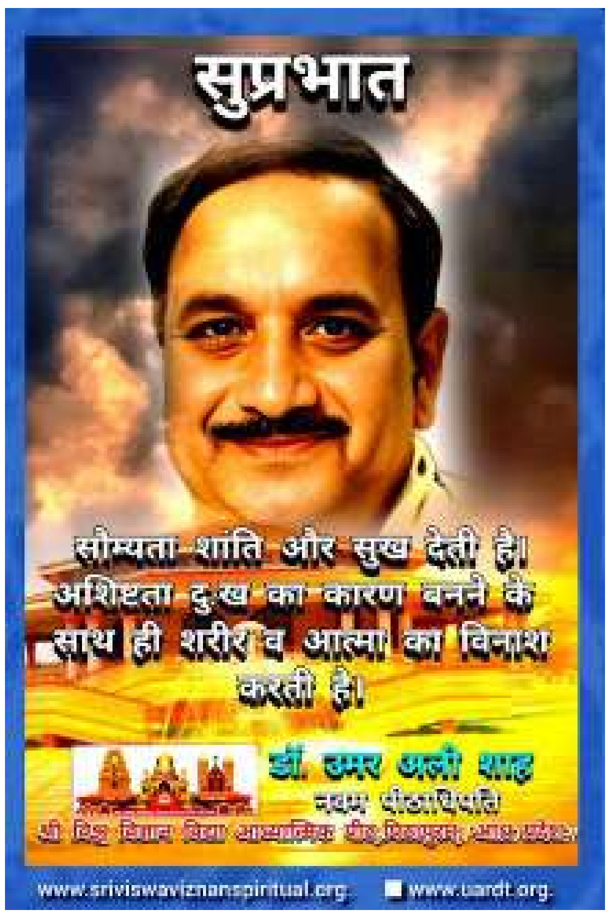

ढुनमुनियाँ कजरी

(कुण्डलिया)

कजरी की उत्पत्ति का, है केवल अनुमान।
लोकगीत के साथ ही, मिली इसे पहचान।
मिली इसे पहचान, बता
मिर्जापुरवासी।
सामूहिक कह गान, गा रहे हैं अभ्यासी।
सुन लो कहें प्रदीप, बात जिसमें हो गहरी।
मिर्जापुर के लोग, कहें 'ढुनमुनियाँ' कजरी।।

कजरी के संगीत की, सारी विधा अनूप।
लोक सुगम शास्त्रीय हो, सबका अनुपम रूप।
सबका अनुपम रूप, करें लीला का वर्णन।
पहले देवी गीत, बाद में सारे गायन।
देखो प्रकृति प्रदीप, बनी जब
सबकी प्रहरी।
सजधज आती तीज,नारियाँ गाती कजरी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

संस्कृत दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

प्रयागराज। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के संस्कृत विभाग द्वारा दिनांक 12अगस्त,2025 को संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया. प्राचार्या प्रो. आशिमा घोष एवं मुख्य वक्ता डा. प्रतिभा आर्या, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. प्राचार्या ने भारतीय ज्ञान परम्परा की संवाहिका संस्कृत भाषा को अत्यंत महत्तवपूर्ण बताया और संस्कृत दिवस की शुभकामनाएं दीं। छात्राओं ने संस्कृत श्लोकों ,सूक्तों एवं गीतों की सुन्दर प्रस्तुतियां दीं . साथ ही अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का एक – एक संकल्प संस्कृत भाषा में लिया . छात्राओं ने रोचक और उत्कृष्ट संकल्प लेते हुए एक –दूसरे को

रक्षासूत्र बांधा। मुख्य वक्ता डा. प्रतिभा आर्या ने श्संस्कृत दिवस का औचित्य श विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए संस्कृत दिवस के इतिहास और उसकी प्रासंगिकता पर बहुविध प्रकाश डाला

इस अवसर पर विभाग के तीन शोध अध्येताओं अम्बुज सिंह, शिखा मिश्रा और उपासना सिंह को सम्मानित किया गया,वे महाविद्यालय से शोधोपाधि प्राप्त करने वाले पहले विद्यार्थी है। इसीसी महाविद्यालय के डा. आरुणेय मिश्र द्वारा प्रदत्त संस्कृत सूक्तियों से सजी राखियों के प्रदर्शन भी किया गया. कार्यक्रम का संचालन डा. प्रमा द्विवेदी एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. रतनकुमारी वर्मा ने किया.शिक्षकगण प्रो. अंशुमाला मिश्रा,डा. अजिता ओझा,डा. रमा गुप्ता , शोध अध्येताओं चंद्रधर मिश्र, रुचि मिश्रा तथा साक्षी,गरिमा,स्वाती ,निहारिका और श्रेया इत्यादि विद्यार्थियों ने महत्त्वपूर्ण योगदान दिया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अर्वाचीन इंटर कॉलेज में चलाया सदस्यता अभियान

मुजफ्फरनगर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (।ठटच) के तत्वावधान में आज अर्वाचीन इंटर कॉलेज, मु0नगर में एक सदस्यता अभियान आयोजित किया गया, जिसमें कॉलेज के छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम के दौरान छात्रों को परिषद के उद्देश्यों, गतिविधियों और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर 'नगर मंत्री मुकुल सैनी', 'दीक्षा शर्मा' व अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे
सार्वजनिक सूचना
उत्तर मध्य रेलवे, के अन्तर्गत प्रयागराज मंडल के नैनी मानिकपुर खंड में समपार संख्या 415-ए के स्थान पर 2 लेन आरओबी के रेलवे हिस्से के निर्माण कार्य हेतु 17 अगस्त 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक समपार संख्या 415-ए से सभी प्रकार का यातायात बंद रहेगा। इस दौरान, हल्के सड़क यातायात को शंकरगढ़ रोड पर स्थित निकटवर्ती समपार संख्या 418 एवं 415-बी से डायवर्ट किया जाएगा और भारी वाहन गौहनिया-जसरा मार्ग से होकर शंकरगढ़ से गुजरेंगे। उपरिगामी सेतु का निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात नवनिर्मित रेल उपरिगामी सेतु से सड़क यातायात नियमित हो जायेगा।
आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।
उप मुख्य इंजीनियर- ।।
गति शक्ति यूनिट
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज
1435/25 (D)
North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.......

अस्पतालों का मोहभंग

यह सरकार द्वारा वित्त पोषित, दुनिया के सबसे बड़े स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम के लिये एक बड़ा झटका है कि हरियाणा के छह सौ से अधिक निजी अस्पतालों के मालिकों ने इस योजना से किनारा करने का मन बनाया है। निश्चित रूप से इतनी बड़ी संख्या में निजी अस्पतालों का मोहभंग होना सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के लिये चिंता की बात ही कही जा सकती है। अस्पतालों की दलील है कि उन्हें पांच सौ करोड़ रुपये से अधिक बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया है। निश्चय ही राजग सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के क्रियान्वयन में प्रशासनिक खामियां ही उजागर हुई हैं। उल्लेखनीय है कि इस योजना में गंभीर रोगों का उपचार कराने वाले लोगों के प्रत्येक परिवार के लिये पांच लाख रुपये तक के कैशलेस उपचार का वायदा किया गया था। लेकिन अकसर निजी अस्पतालों की ओर से आरोप लगाया जाता रहा है कि इस योजना के तहत उपचार कराने वाले मरीजों के बिल का भुगतान कभी समय पर नहीं किया जाता है। निश्चय ही कोई योजना तब तक प्रभावी नहीं कही जा सकती, जब तक वह केवल कागजों तक ही सीमित रहती है। निस्संदेह, ऐसी स्थिति में आयुष्मान कार्डधारकों को दी जाने वाली चिकित्सा सेवाएं बंद हो जाएंगी। इस स्थिति में उन मरीजों की मुश्किलें बढ़ जाएंगी, जो गरीबी के चलते महंगे इलाज करने में सक्षम नहीं होते। ऐसे में उन्हें अपना या अपने परिजनों का कारगर इलाज करने में लंबे विलंब का सामना करना पड़ेगा। जाहिर बात है कि आयुष्मान योजना का लाभ न मिलने से मरीजों को मजबूरी में संसाधन विहीन सरकारी अस्पतालों की शरण में जाना पड़ सकता है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि सरकारी अस्पताल पहले ही मरीजों के भारी दबाव को झेल रहे हैं और कई अस्पतालों में पर्याप्त व विशेषज्ञ चिकित्सकों का नितांत अभाव है। वहीं तमाम सरकारी अस्पतालों में उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधाओं की कमी अकसर बनी रहती है। वैसे सरकार की कल्याणकारी मंशा पर संदेह नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन समय पर योजना के लिये धन उपलब्ध न करा पाने की स्थिति निराशाजनक और नुकसान पहुंचाने वाली साबित हो सकती है। निस्संदेह, जानलेवा बीमारियों से जूझ रहे मरीज नौकरशाही की अड़चनों के कम होने का इंतजार नहीं कर सकते। साथ ही गरीबी से जूझ रहे रोगी निजी अस्पतालों में उपचार नहीं करा सकते क्योंकि अधिक परिचालन लागत वाले अस्पताल बिना भुगतान के सेवाएं देने में असमर्थ हैं। निस्संदेह, यह संकट एक व्यापक मुद्दे की ओर इशारा करता है कि जन कल्याणकारी योजनाओं को बनाते वक्त सावधानी, व्यावहारिक बजट और उसका कुशलतापूर्वक क्रियान्वयन करना जरूरी है। ऐसे में समय पर धन आवंटन, नियमित ऑडिट और अस्पतालों व मरीजों के लिये एक शिकायत निवारण प्रणाली सुनिश्चित करने के लिये मजबूत तंत्र बनाया जाना चाहिए। इसके लिये सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं के लिये अपने बजट में वृद्धि करनी चाहिए। यदि जीडीपी का सिर्फ दो फीसदी स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च किया जाता रहा तो महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजनाएं हकीकत में लड़खड़ाती रहेंगी।

अमेरिकी दादागिरी पर मोदी की ललकार

ललित गर्ग

देश के अग्रणी कृषि वैज्ञानिक एवं कृषि-क्रांति के जनक एम.एस. स्वामीनाथन के शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसान हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ललकारभरे शब्दों में अमेरिकी टैरिफ पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत किसानों के हितों से समझौता नहीं करेगा, भारत की बढ़ती वैश्विक ताकत का द्योतक है। ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ को भारत ने अनुचित एवं दुर्भावनापूर्ण बताया है। भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए बाजार खोलने के दबाव में कभी नहीं आयेगा क्योंकि भारत के लिये यह एक राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दा है। इस समारोह में मोदी ने जो शब्द कहे, वे केवल एक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि नये भारत, सशक्त भारत की एक स्पष्ट नीति का घोषणा पत्र है, भारत की नई कृषि रणनीति, आत्मनिर्भरता की भावना और अमेरिकी टैरिफ की दादागिरी को खुली चुनौती है। भारत अब पीछे हटने वाला नहीं है और दुनिया की कोई भी ताकत उसे नुकसान नहीं पहुंचा सकती। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी टैरिफ पर पहली बार प्रतिक्रिया दी, और अमेरिका या डॉनल्ड ट्रंप का नाम लिए बगैर कहा कि किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों के साथ भारत कभी समझौता नहीं करेगा। भारत ने इससे पहले ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को अनुचित, अन्यायपूर्ण और तर्कहीन बताया था। यह विडम्बनापूर्ण एवं विसंगतिपूर्ण है कि ट्रंप बातें रूस की कर रहे हैं, लेकिन यह समझना आसान है कि उनकी निराशा के मूल में भारत के साथ अटकी कृषि ट्रेड डील भी है। वह चाहते हैं कि भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों और डेयरी प्रॉडक्ट्स के लिए अपना बाजार खोले। लेकिन देश की बड़ी आबादी खेती पर आश्रित है और किसान आर्थिक रूप से सशक्त नहीं हैं। इसलिये वे सब्सिडाइज्ड अमेरिकी प्रॉडक्ट्स से होड़ नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण के जरिये भारत का यही पक्ष एवं किसानों की चिन्ता को रखा है। लेकिन ट्रंप इस चिंता को शायद ही समझें, क्योंकि अब ऐसा लग रहा है कि अपनी हर नाकामी का ठीकरा फोड़ने के लिए उन्हें कोई देश चाहिए। अमेरिका में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी का दबाव व यूक्रेन युद्ध न रुकवा पाने की हताशा ट्रंप के फैसलों में बौखलाहट के रूप में झलक रही है। पहले उन्होंने चीन पर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन जब वहां से 'रेयर अर्थ मिनरल्स' के रूप में झटका लगा, तो भारत और रूस से अपनी बात मनवाना चाहते हैं। हाल ही में अमेरिका द्वारा भारतीय कृषि उत्पादों पर टैरिफ बढ़ाने की घोषणा को प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल अनुचित और एकतरफा करार दिया, बल्कि यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब वैश्विक मंच पर दबाव में आने वाला नहीं है। अमेरिका की यह टैरिफ नीति, डब्ल्यूटीओ के सिद्धांतों के विरुद्ध और विकासशील देशों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार का प्रतीक है। भारत पर विशेषकर चावल, गेहूं, दलहन, और मसालों के निर्यात में टैरिफ लगाना सीधे-सीधे भारतीय किसानों की आय पर प्रहार है। ऐसे समय में जब भारत कृषि निर्यात को बढ़ावा देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बना रहा है, अमेरिका की यह नीति दादागिरीपूर्ण व्यापारवाद का उदाहरण है। भले ही ट्रंप की टैरिफ पैंतरों ने दुनिया के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी हो, लेकिन भारत ऐसी चुनौतियों के सामने झुकने वाला नहीं है। भारत अब केवल अमेरिका या यूरोप पर निर्भर नहीं रहना चाहता। अफ्रीका, खाड़ी देशों, दक्षिण एशिया और पूर्वी एशियाई देशों के साथ द्विपक्षीय कृषि व्यापार समझौते तेजी से किए जा रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर, जितने मुंह, उतनी बातें

डॉ. दीपक पाचपोर

प्रधानमंत्री मोदी ने भी 10 मई के युद्धविराम के बाद देश को संबोधित किया। हर बार यह बताया गया कि कैसे हमारी सेना ने पाकिस्तान में पल रहे आतंकियों पर तगड़ी चोट की है। कम से कम 9 आतंकी अड्डों को ध्वस्त कर दिया है।

ऑपरेशन सिंदूर के तीन महीने बाद भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने शनिवार को एक कार्यक्रम में सनसनीखेज दावा किया है कि मई 2025 में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के छह विमानों को मार गिराया गया था। ऑपरेशन सिंदूर पर यह बड़ी जानकारी 10 मई को हुए युद्धविराम के फौरन बाद भी दी जा सकती थी। पाठकों को याद होगा कि भारतीय सेना के इस अभियान के बारे में लगातार विदेश सचिव के साथ सैन्य अधिकारी प्रेस को आधिकारिक सूचना दे रहे थे। इस बारे में प्रेस कॉन्फ्रेंस भी हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने भी 10 मई के युद्धविराम के बाद देश को संबोधित किया। हर बार यह बताया गया कि कैसे हमारी सेना ने पाकिस्तान में पल रहे आतंकियों पर तगड़ी चोट की है। कम से कम 9 आतंकी अड्डों को ध्वस्त कर दिया है। लेकिन इन तमाम अधिकृत जानकारियों में यह कभी नहीं कहा गया कि पाकिस्तान की सेना को कितना नुकसान पहुंचाया गया है। जब रक्षा मंत्री, गृहमंत्री, विदेश मंत्री और खुद प्रधानमंत्री ने संसद के भीतर ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की, तब भी यह नहीं बताया कि पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों को भारतीय सेना ने नष्ट किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्धविराम के 30-40 बार दावों के बीच यह भी कहा है कि इसमें पांच-छह लड़ाकू विमान नष्ट हुए हैं। जब विपक्ष ने इस बारे में सरकार से कहा कि वह स्पष्ट करे कि ये किस पक्ष के विमान थे, हमारे थे या दुश्मन के थे, उस समय भी मोदी सरकार मौन ही रही। बल्कि सवाल उठाने पर देश विरोधी होने का इल्जाम लगाया। यह समझ से परे है कि अगर पाकिस्तान के सैन्य विमानों को नुकसान पहुंचा ही था, तो इसे बताने से सरकार झिझक क्यों रही थी। यह तो हमारी सेना की बड़ी उपलब्धि थी, जिसे उसी समय बताया जाता, तब हौसला और बढ़ जाता। लेकिन तीन महीने में यह पहली बार है जब किसी सशस्त्र बल के वरिष्ठ अधिकारी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी वायुसेना को हुए नुकसान की संख्या को सार्वजनिक रूप से उजागर किया है। यह भी अजीब संयोग है कि इधर वायुसेना प्रमुख ने नया खुलासा किया और फौरन बाद थलसेना प्रमुख का भी ऑपरेशन सिंदूर को लेकर नया बयान सामने आया है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बताया है कि पहलगाम हमले के अगले दिन यानी 23 अप्रैल को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक उच्च स्तरीय बैठक में कहा, श्बस बहुत हुआ,श् और सशस्त्र बलों को पूरी छूट दी गई कि वे इस हमले का जवाब देने के लिए स्वतंत्र रूप से कार्रवाई करें। जनरल द्विवेदी के मुताबिक रक्षा मंत्री ने सशस्त्र बलों को निर्देश दिया, आप तय करें कि क्या करना है। इस राजनीतिक स्पष्टता और विश्वास ने सेना का मनोबल बढ़ाया। दो दिन बाद, 25 अप्रैल को उत्तरी कमान का दौरा किया गया, जहां नौ में से सात आतंकी ठिकानों को नष्ट करने की योजना बनाई गई और उसे अंजाम दिया गया। इस ऑपरेशन में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ढांचों को निशाना बनाया गया, जिसमें 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। जनरल द्विवेदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर का नाम छोटा हो सकता है, लेकिन इसने पूरे राष्ट्र को एकजुट किया। सेना की इस उपलब्धि पर हरेक भारतवासी को गर्व है, लेकिन यह बात थोड़ी अजीब लगती है कि अब सेना प्रमुख को देश की एकजुटता पर बयान देना पड़े। सवाल यह भी है कि ऑपरेशन सिंदूर से जुड़े दो सेनाध्यक्षों के बयान आखिर इस वक्त क्यों आए हैं, जब देश में चुनाव आयोग और भाजपा की मिलीभगत पर बवाल मचा हुआ है। राहुल गांधी ने 7 अगस्त को जब से कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा सीट पर एक लाख दो सौ पचास फर्जी वोटों का खुलासा सबूतों के साथ पेश किया है, इस तरह की और भी खबरें सामने आ गई हैं। अब पता चल रहा है कि बिहार में कम से कम 3 लाख लोगों के पते पर मकान नंबर शून्य बटा शून्य या केवल शून्य लिखा हुआ है, वह भी एसआईआर की प्रक्रिया के बाद। बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा का नाम दो मतदाता सूचियों में है। उत्तरप्रदेश में अखिलेश यादव ऐसा ही फर्जीवाड़ा दिखा रहे हैं। महाराष्ट्र में शरद पवार ने दावा किया है कि विधानसभा की 166 सीटें जिताने का प्रस्ताव उन्हें दो लोगों ने दिया था, हालांकि राहुल गांधी ने इससे इंकार कर दिया था कि यह चुनाव जीतने का हमारा तरीका नहीं है। मतलब चुनाव आयोग पर घेराबंदी बढ़ रही है। उसकी शपथपत्र की मांग भी विपक्ष नहीं सुन रहा है। अगर चुनाव आयोग विपक्ष के सामने परस्त हो जाता है, तो तय है कि भाजपा भी हार की तरफ बढ़ जाएगी। विपक्ष के साथ-साथ आम जनता भी अब वोट चोरी के मुद्दे को गंभीरता से ले रही है। ऐसे में ऑपरेशन सिंदूर से राष्ट्रवाद को भुनाने की जो रणनीति नरेन्द्र मोदी ने बनाई थी, वह विफल होती दिख रही है। मेरी रगों में गर्म सिंदूर बहता है, जैसे संवाद अब चुनाव नहीं जिता पाएंगे, यह समझ आते ही शायद मुद्दे को फिर भटकाने की कोशिश की जा रही है। क्या इसलिए अब सेना को आगे किया गया है, यह विचारणीय है। हालांकि सेना अब तक इस तरह के राजनैतिक इस्तेमाल से दूर रही है, अब भाजपा ने अगर सेना को राजनीति का जरिया बनाया और सेना ने खुद का सियासी इस्तेमाल होने दिया तो यह देश के लिए दुखद रहेगा। जितने मुंह उतनी बातें इस मुहावरे का उपयोग अक्सर किसी ऐसी घटना या प्रकरण पर किया जाता है, जिसके बारे में पुख्ता जानकारी नहीं होती है और हर कोई अपनी-अपनी तरह से उसे प्रस्तुत करता है। फिल्मी गपशप में यह सब चलता है, लेकिन देश की सुरक्षा जैसे गंभीर विषय पर ऐसा कभी नहीं हुआ कि इससे जुड़े लोग ही अलग-अलग तरह की बातें करें। अफसोस है कि मोदी सरकार में ऐसा एक बार नहीं बार-बार हो रहा है।

प्रतिबंधित साहित्य में दर्ज आजादी के मुखर स्वर

संदीप जोशी

भारत के स्वाधीनता संग्राम के दौरान अनेक भाषाओं में साहित्यकारों ने अंग्रेजों के अन्यायकारी कृत्यों को उजागर करने और जनचेतना जगाने का बीड़ा उठाया। अंग्रेजी दस्तावेजों के इतर यह देशी साहित्य अधिक मुखर और जन-पक्षीय था इसलिए ब्रितानी सरकार भयभीत हो गयी। उसने ऐसी पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं को जब्त कर ब्रिटेन भेज दिया। यह साहित्य हमारे आजादी के इतिहास का हिस्सा नहीं बन सका। सरकारी संस्थाओं, विश्वविद्यालय के संबंधित विभागों या अन्य संगठन द्वारा ऐसी कोशिशें नगण्य रहीं। जबकि आमजन की आकांक्षाओं, दुःख-दर्द से भरी इन हजारों जब्त पुस्तकों की खोज अपेक्षित थी। लंदन स्थित इंडिया ऑफिस लाइब्रेरी से जब्त साहित्य को खोजकर लाने में लेखिका के प्रयास उल्लेखनीय हैं।'उन्हें यह फिक्र है हरदम नया तर्ज जफा क्या हैµ हमें यह शौक है देखें कि इसकी इंतेहा क्या हैµ गुनहगारों में शामिल हैं गुनाहों से नहीं वाकिफ सजा को जानते हैं हम खुदा जाने खता क्या है।'आजादी के मतवालों द्वारा गाए जाने वाले ये तराने न केवल क्रांतिकारियों के मनोभावों को व्यक्त करते हैं बल्कि अंग्रेजी हुकूमत को चेतावनी देते हैं कि उनकी यन्त्रणाएं उनके आजादी प्राप्त करने के पावन उद्देश्य को कुंद नहीं कर सकती। कृ देशभक्ति से ओतप्रोत और रोमांचित करने वाले इसी तरह के दस्तावेजों की हम उन्नीस सौ नब्बे के दशक में आमजन को इतिहास से रूबरू कराने के लिए प्रदर्शनियां लगाते थे। ऐसा ही एक दस्तावेज 26 जनवरी 1930 को 'स्वतन्त्रता दिवस' के रूप में मनाने के सम्बन्ध में था। वो यह कि सोनीपत (हरियाणा) के तत्कालीन म्युनिसिपल कमिश्नर, लाला कांशीराम जुलूस के साथ उस आयोजन में शामिल होते हैं, तिरंगा फहराते हैं और एक नज्म गाते हैं'शहीदों के खूं का असर देख लेनाμ मिटायेंगे जालिम का घर देख लेनाμ धिकसी के इशारे के मुन्तजिर हैंµ बहा देंगे खूं की नहर देख लेना' उक्त आयोजन और नज्म के गाये जाने से ब्रितानी हुकूमत की भवें तन जाती हैं। कांशीराम को नज्म पढ़ने के जुर्म में गिरफ्तार कर लिया जाता है। इल्जाम यह कि यह नज्म राष्ट्र-विरोधी है जिसे प्रतिबंधित किया जा चुका है। कांशीराम सफाई में कहते हैं कि यह नज्म सिर्फ 'जोशीली' है राष्ट्र विरोधी नहीं और जिस पुस्तिका से पढ़ी गई है वह अभी तक प्रतिबंधित या जब्त नहीं की गई है। परन्तु उनकी कोई दरख्वास्त नहीं सुनी गई और तुरंत पद से बर्खास्त कर दिया गया। तभी से लेखिका के मन में एक तीव्र विचार प्रतिबंधित साहित्य की खोज में बीज-तत्व बनकर मनरूपटल की उष्ण भूमि में रोपित हो गया। खोज शुरू हुई कि कौन हैं इस नज्म के रचयिता? कहां है वह पुस्तक जिसमें संगृहीत एक नज्म का अंश भर पढ़ने से अंग्रेजी हुकूमत इस कदर आक्रोशित और भयभीत हुई कि उस म्युनिसिपल कमिश्नर को पद से हटा दिया गया और गिरफ्तार कर लिया गया? क्या यह केवल एक प्रशासनिक या राजनीतिक घटना थी या फिर यह समझा जाये कि अंग्रेजी ऐतिहासिक सन्दर्भों और दस्तावेजों के इतर 'कलम' का यह देशी नैरेटिव या देशी साहित्य अधिक मुखर और अधिक जन-पक्षीय था इसलिए ब्रितानी सरकार भयभीत हो उठती और अविलम्ब न सिर्फ इस साहित्य को प्रतिबंधित कर देती बल्कि अधिकांश कृतियों को जब्त करके देश की सीमाओं से बाहर अर्थात इंग्लैंड ले जाकर पटक देती। साहित्य समाज का दर्पण होता है, दीपक भी होता है और मशाल भी। समाज की विचारधारा का प्रतीक भी होता है और अक्स भी। भारत के स्वाधीनता संग्राम में विशेषकर जलियांवाला बाग काण्ड (1919) से लेकर भगतसिंह की शहादत (1931) तक गुलाम देश की कलम से जो क्रान्ति- ज्वाला निकली उसने देश की समस्याओं, दुर्गति, अन्यायों, अत्याचारों को उजागर करने, आमजन में जागृति पैदा करने के उद्देश्य से जो वृहत, निर्भीक साहित्य रचा उसने अंग्रेज सरकार की नींद हराम कर दी। हुकूमत तत्परता से उसे प्रतिबंधित करने के नोटिफिकेशन जारी करती रही और इन प्रकाशनों को जब्त करती रही। इस साहित्य की मेरी खोज का सफर भारतीय अभिलेखागार, राज्य अभिलेखागारों और अंततः आखिरी पड़ाव के रूप में इंडिया ऑफिस लाइब्रेरी लंदन (अब ब्रिटिश लाइब्रेरी) तक पहुंचा। यह संकेत भी देती चलूं कि इस प्रतिबंधित और जब्त साहित्य की खोज के दौरान मुझे उक्त नज्म भी मिली और वह पुस्तकें भी मिल गईं जिनमें यह नज्म शामिल थी। ये दोनों ही पुस्तकें जब्त कर ली गई थीं और इस अब उक्त पुस्तक के तेईसवें नम्बर पर 'शहीदे वतन' जो कलकत्ता से प्रकाशित हुई थी तथा दूसरी अबोहर (पंजाब) से छपी 'राष्ट्रीय गान' पुस्तक के तीसवें नम्बर पर समाहित हैं, नज्म के रचनाकार खुजंदी थे। इन्हें मैंने लन्दन स्थित इंडिया ऑफिस लाइब्रेरी से प्राप्त किया। ऐसी रचनाएं यहां-वहां कई पुस्तिकाओं में प्रकाशित होती रहती थीं। यूं तो अंग्रेजों के भारत में काबिज होते ही प्राच्य ज्ञान, संस्कृति और मूल्यों पर पाश्चात्य असर दृष्टिगोचर होने लगा था। सभ्यताओं के बीच की खाई से जागरूक लोग भारतीय जनता के एक हिस्से के उदीयमान राष्ट्रीय प्रतीक बन रहे थे। परंपरागत चिंतन और पाश्चात्य प्रभाव से राष्ट्रीय चेतना का ढांचा गुना-बुना जाने लगा जिसको साहित्य, कला, राजनीतिक-सामाजिक सुधार आंदोलनों और बौद्धिकप्रसाहित्यिक संगठनों के माध्यम से अभिव्यक्ति मिली। अनेक भाषाओं में भारतीय साहित्यकारों ने अंग्रेजों के अन्यायकारी कुकृत्यों को उजागर करने और जनचेतना जगाने का बीड़ा उठाया। यह साहित्य ब्रितानी हकूमत के लिए भयभीत करने वाला और असहनीय था। अतरू उन्होंने उन कृतियोंµ रचनाओं को सीआईडी तथा 1860 में बने आईपीसी कानून की धारा 124 ए के तहत प्रतिबंधितप्जब्त कर लिया। कलमकारों, प्रकाशकों व मुद्रकों को यातनाएं दी गईं, मुद्रणालयों पर छापे पड़े, जुर्माने और दण्ड दिये गये पर वे अपने नाम-पते के साथ आगे आते रहे। यह साहित्य उसी दौर में लिखा जा रहा था जब छायावाद की भूमि नम और उर्वर थी और प्रगतिवाद अपनी उपयोगिता व अर्थवाद के पन्ने खोल रहा था। वहीं दूसरी तरफ कुछ अनजाने-अबूझे साहित्यकार देश में गुलामी की छटपटाहट को गम्भीरता से महसूस कर रहे थे और उन बेड़ी-बंधनों को तोड़ने के लिए हर तरह से प्रयासरत थे। आमजन को इस प्रयास में शामिल करने के लिए जागृत कर रहे थे। कविता, नज्म, नाटक, गीत, कव्वाली, कजरी, गजल आदि अनेक विधाओं में अपनी कलम के जौहर दिखाते हुए देश को आजाद कराने में अपनी भूमिका निभा रहे थे। ये रचनाएं क्रान्ति -वीरों की देशप्रेम में हिलोरें मारती जवानियों को हवा दे रही थीं। राजनैतिक चेतना जगाने वाले इस साहित्यिक काल को 'चेतना काल' की संज्ञा दी जा सकती है। इस प्रतिबंधित और जब्तशुदा साहित्य को हिन्दी साहित्य के इतिहास में वह स्थान नहीं मिला जो मिलना चाहिए था जबकि देश की अन्य भाषाओं की अपेक्षा हिन्दी में सबसे अधिक लिखा गया। देश के मुक्ति-आन्दोलन में हिन्दी स्वदेशी की पहचान के तौर पर बरती जा रही थी। लेकिन हिन्दी के इतिहास की कोई पुस्तक उठाकर देख लीजिये इस साहित्य की मात्र निशानी मिलती है और कहीं तो वह भी नहीं मिलती। यह अचम्भित करता है। अफसोस है कि हम आज भी हिन्दी को उस समावेशी स्वरूप में नहीं देख रहे हैं। हिन्दी-प्रेमियों की ओर से जो थोड़ी-बहुत आवाजें यदा-कदा उठती हैं उनके आशय भी अस्पष्ट हैं। अगर ऐसा नहीं होता तो क्या इतना विपुल साहित्य भण्डार जिसने ब्रितानी हुकूमत की चूलें हिला दी थी आज तक हिन्दी साहित्य की किताबों, साहित्य के इतिहास, हिन्दी के शोध-प्रबंधों या पाठ्यक्रमों में अपनी महती भूमिका की वजह से सम्मिलित नहीं होता? क्या राष्ट्र, राष्ट्रीय, राष्ट्रवाद और हिन्दी का मंचों से गुणगान करने वालों द्वारा उसे खोज कर प्राप्त करने और शिक्षण-संस्थानों व पुस्तकों में राष्ट्रीय-अस्मिता के प्रतीक इस साहित्य को यथा-योग्य स्थान दिया जाना अपेक्षित नहीं है? इसमें लोक है, जन है, जन-भावना है, जन-साहित्य है, जन-चिन्तन है और उत्कट राष्ट्र-भक्ति है। यहां जब्तशुदा साहित्य को हिन्दी साहित्य के इतिहास में वाजिब स्थान नहीं मिलने के कारणों का उल्लेख करना मेरा मकसद नहीं। इसलिए कि अधिकांश साहित्य को प्रकाशित होते ही जब्त करके या तो देश के अभिलेखागारों में बन्द कर दिया गया या फिर देश में छोड़ा ही नहीं गया तो क्योंकर ऐसे साहित्य को इतिहास का हिस्सा बनाया जाता! दूसरे यह कि हिन्दी-प्रेमियों ने प्रतिबंधित क्रान्तिकारी-साहित्य को इतिहास का हिस्सा मान कर हाथ नहीं डाला, उधर इतिहासकारों ने इसे साहित्य मान कर अपने पारम्परिक स्रोतों में बहुत अधिक स्पेस नहीं दिया। लेकिन अगर साहित्य समाज का दर्पण, दीप, या मशाल है तो समाज, साहित्य और इतिहास आपस में जुड़े हुए हैं। वे एक दूसरे के विरुद्ध नहीं, अपितु पूरक हैं। इतिहास के बगैर साहित्य अधूरा है और साहित्य के बगैर इतिहास अध्ययन सम्पूर्ण नहीं। प्रश्न तो उठता है कि क्या किसी सरकारी संस्था, विश्वविद्यालय के हिन्दी या इतिहास विभागों या अन्य संगठन द्वारा ऐसी कोई कोशिश हुई है कि गुलामी के दौर में तलवार की धार पर चलकर रचनाकारों ने जो चेतना का मूल-साहित्य रचा जिसमें आमजन की छटपटाहट है, आकांक्षाएं हैं, दुःख-दर्द हैं उन हजारों जब्त पुस्तकों को खोज निकाला जाए? और जो प्रकाशन ब्रिटिश हुकूमत यहां से ढोकर ले गई उन्हें वापस लाने के प्रयास किसी स्तर पर किये जाएं? क्या यह हमारी सोच, इतिहास-बोध, परम्परा, साहित्यिक-दृष्टि पर प्रश्न चिन्ह नहीं है कि आज तक हम उन कलम-साधकों के नामों और रचनाओं से अनभिज्ञ हैं? व्यवस्थाएं रचनाकार को सृजन की मानसिक भूमि प्रदान करती रही हैं, वह जिस दुर्व्यवहार का अनुभव करता है, गुजरता है, पीड़ा-व्यथाओं का भोगी होता है, वही अनुभव एवं स्मृतियां उसे लिखने को प्रेरित करती हैं। पर जब वह सृजन करता है तो ये ही व्यवस्थाएं उसे गुनहगार बना देती हैं क्योंकि यह लेखन उस तरह का नहीं होता जो जन-भावनाओं की अपेक्षा मनभावन अहसासों या वाणिज्य को केंद्र में रखकर रचा जाता है। इस साहित्य का महत्व और उद्देश्य भिन्न होता है जो सुकोमल मनोभावों पर सृजित साहित्य से भी बड़ा हो सकता है।

पाकिस्तान को सलाह

बैसरन की घाटी को,
खून-खून कर दिया,
दुल्हनों की मांग को,
सून-सून कर दिया,
बदले में सिंदूर के,
शसिंदूरश हमने कर दिया,
पाक तेरी चाहतों को,
चूर-चूर कर दिया,
दहशती इमारतों को,
धूर-धूर कर दिया,
एटमी भरम को,
तेरे दूर-दूर कर दिया,
दिन की बात छोड़ दो,
घंटे भी लगे नहीं,
मिनटों में घमंड चंड,
चकनाचूर कर दिया,
गिड़गिड़ाया देश में,
और जा विदेश में,
जब रहम रहम कहा,
और सहम सहम कहा,
तो रामजी के देश ने,
तुझको माफ कर दिया,
साथ इसके एक बात,
ये भी साफ कर दिया,
शसिंदूरश बंद है नहीं,
बस है ये रुका हुआ,
इंडिया को मानना,
तुम नहीं झुका हुआ,
अब तो पानी हिंद से,
सिंधु में न जाएगा,
जाएगा तो जिन्ना का,
जिन्न डूब जाएगा,
गोली आई इक इधर,
तो युद्ध उसको मानकर,
काट देंगे वह गदर,
कांप जाएंगे शजर,
एक भी जो सिर कटा,
तो बीसियों कटेंगे सर,
ढूंढना जमीन पर,
कुछ इधर तो कुछ उधर,
कितनी बार आएगा,
कितनी मार खाएगा,
जलील कितना मुल्क को,
दुनिया में कराएगा,
छल फरेब तेरा कोई,
काम नहीं आएगा,
सात जन्म बाद भी,
तू जीत नहीं पाएगा,
मशविरा तू मान ले,
करना कुछ बहस नहीं,
काश्मीर भूल जा,
ये तेरा कलश नहीं।

शरत चन्द्र श्रीवास्तव 'सरल'
914/351/231-डी, सुल्तान पुर भावा,गंगागंज, प्रयागराज।

4 साल से नहीं थी भाई से बातचीत, फिर भी रक्षाबंधन पर छलका संजय कपूर की बहन का दर्द, कहा,तुम्हारी तस्वीर के कोने में राखी बांधी

बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के एक्स हसबैंड संजय कपूर की बहन मंधीरा कपूर ने रक्षाबंधन के मौके पर अपने दिवंगत भाई को याद करते हुए भावुक हो गई और उन्होंने एक इमोशनल पोस्ट लिखा। यह पहला रक्षाबंधन था, जब मंधीरा ने अपने भाई संजय कपूर के बिना राखी मनाई। मंधीरा ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वे अपने भाई संजय कपूर और मां रानी कपूर के साथ नजर आ रही हैं। उन्होंने लिखा कि इस पोस्ट को लिखने में उन्हें पूरा दिन लग गया, क्योंकि यह दिन उनके लिए बेहद भावनात्मक रहा। रक्षाबंधन के खत्म होते ही मैंने तुम्हारी तस्वीर के पास फूल रखे। मैं खुद को शांत रखने की कोशिश कर रही थी, जबकि मां रो रही थीं। वो धागा जो हमें जोड़ता है, भले ही नजर न आए, लेकिन वो हमारी यादों की तरह अटूट और मजबूत है। मैं तुम्हारे साथ बिताए हर पल को याद कर रही हूं। अब मैं तुम्हारे और पापा के सपनों की रक्षा करने की कोशिश कर रही हूं। मंधीरा ने आगे लिखा– अगर संजय आज जिंदा होते, तो जिंदगी और हालात बिल्कुल अलग और बेहतर होते। मैंने आज तुम्हारी तस्वीर के कोने में राखी बांधी और तुम्हारे मुस्कुराते चेहरे को देर तक देखती रही। तुमने पापा की विरासत को आगे बढ़ाया और मुझे यकीन है कि अगर तुम होते तो उसे और ऊंचाइयों तक ले जाते। अब उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी अपने भाई की यादों और सम्मान की रक्षा करना है। मंधीरा ने यह भी बताया कि उनके और संजय के बीच पिछले 4 साल से कोई बातचीत नहीं थी। हमारे बीच एक मामूली भाई–बहन की लड़ाई थी, जो बाद में बहुत बड़ी बन गई। गुस्से और जिद की वजह से हम बात नहीं कर पाए, लेकिन इससे हमारी पुरानी यादें खत्म नहीं हो सकतीं। उन्होंने लिखा– हमारा बचपन बहुत सुंदर था। हम दोनों प्यारे माता–पिता के साथ बड़े हुए, देर रात बातें करना, घर से छुपकर बाहर जाना और वो बातें जो सिर्फ हमें ही समझ आती थीं। सब याद आता है। वो मेरे और मेरी बहन के लिए हमेशा एक सच्चे बड़े भाई और दोस्त थे। आज भी यकीन नहीं होता कि अब वो इस दुनिया में नहीं हैं। लेकिन मुझे भरोसा है कि वो अब पापा के साथ हैं। एक दिन हम सब फिर मिलेंगे... लेकिन फिलहाल ये काफी नहीं है। संजय कपूर की मौत के बाद उनकी लगभग 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा है। उनकी मां रानी कपूर इस मुद्दे पर अपनी बहू प्रिया सचदेव के खिलाफ खड़ी हैं। वहीं संजय की पत्नी प्रिया को सोना कॉमस्टार कंपनी में नॉन एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर बनाया गया है। संजय इसी कंपनी के चेयरमैन रह चुके थे। संजय कपूर का 12 जून को लंदन में पोलो खेलते समय हार्ट अटैक से निधन हो गया था। हालांकि, उनकी मां रानी कपूर ने इसे सामान्य मौत मानने से इनकार किया और हत्या की आशंका जताते हुए यूके पुलिस से जांच की मांग की। हालांकि, प्रिया सचदेव की तरफ से जारी की गई मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, संजय की मौत बाएं वेंट्रिकुलर हाइपरट्रॉफी और इस्केमिक हार्ट डिजीज की वजह से हुई। फिलहाल, पारिवारिक विवाद, कानूनी लड़ाई और भावनात्मक चोटों के बीच मंधीरा का यह पोस्ट सिर्फ एक बहन का अपने भाई के प्रति प्यार और गहरी यादों का प्रतीक बनकर सामने आया है।

> “ बॉलीवुड एक्ट्रेस करिश्मा कपूर के एक्स हसबैंड संजय कपूर की बहन मंधीरा कपूर ने रक्षाबंधन के मौके पर अपने दिवंगत भाई को याद करते हुए भावुक हो गई और उन्होंने एक इमोशनल पोस्ट लिखा।

करोड़ों की मालकिन फिर भी सादगी की मिसाल हैं सारा अली खान, आज मना रहीं 30वां जन्मदिन

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान आज यानी की 12 अगस्त को अपना 30वां जन्मदिन मना रही हैं। एक्ट्रेस ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है। फिल्म केदारनाथ से अभिनेत्री ने सिनेमा की दुनिया में कदम रखा था। बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान आज यानी की 12 अगस्त को अपना 30वां जन्मदिन मना रही हैं। एक्ट्रेस ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने शानदार अभिनय से दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है। साल 2018 में आई फिल्म केदारनाथ से अभिनेत्री ने सिनेमा की दुनिया में कदम रखा था। एक्ट्रेस प्रोफेशनल लाइफ के साथ ही पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर अभिनेत्री सारा अली खान के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

मुंबई में 12 अगस्त 1995 को सारा अली खान का जन्म हुआ था। इनके बचपन का नाम सारा सुल्तान था। बाद में उन्होंने अपना नाम बदलकर सारा अली खान रख लिया था। अभिनेत्री के पिता का नाम सैफ अली खान है और मां का नाम अमृता सिंह है। सारा अली खान के माता–पिता दोनों ही एक्टर्स हैं। वहीं सारा के छोटे भाई का नाम इब्राहिम अली खान है। सारा अली एक चर्चित राजसी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। सारा अली खान ने अपनी स्कूली शिक्षा मुंबई से पूरी की। इसके बाद वह आगे की पढ़ाई के लिए अमेरिका के कोलंबिया यूनिवर्सिटी चली गईं। कॉलेज के दौरान सारा अली खान का वजन 91 किलो था। लेकिन फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए सारा अली खान ने कड़ी मेहनत कर अपना वेट लॉस किया।

फिल्मी सफर

अभिनेत्री सारा अली खान ने अपने फिल्मी सफर की शुरूआत साल 2018 से की थी। एक्ट्रेस की पहली फिल्म श्केदारनाथश थी। इस फिल्म में दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत मुख्य भूमिका में थे। इस फिल्म में अभिनेत्री सारा अली खान ने श्मंदाकिनीश का किरदार निभाया था। इस फिल्म में शानदार अभिनय के लिए सारा अली खान को बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस के तौर पर फिल्मफेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इसके बाद एक्ट्रेस ने रणवीर सिंह के साथ फिल्म श्सिंबाश में काम किया। एक्ट्रेस ने श्अतरंगी रेश, श्लव आज कलश, श्कुली नं 1श, श्जरा हटके जरा बचकेश आदि फिल्मों में काम किया है। सारा अली खान को आखिरी बार फिल्म श्मेट्रो इन दिनोंश में देखा गया था।

लव लाइफ

एक्ट्रेस अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। एक्ट्रेस ने कार्तिक आर्यन से लेकर साउथ अभिनेता विजय देवरकोंडा सहित कई एक्टर्स को डेट किया है। इसके अलावा उनका नाम अर्जुन प्रताप बजवा संग भी जुड़ चुका है।

मिथुन और पलक ने अपना पहला इंडिया टूर 10 करोड़ रुपये में किया साइन

संगीत की मशहूर जोड़ी मिथुन और पलक मुच्छल अब अपने पहले पैन इंडिया दौरे पर निकलने जा रही है कृ जिसका नाम है मिथुन और पलक लाइव भारतीय सिनेमा को नमन। 10 करोड़ की कीमत वाला यह महादौर अपने भव्य पैमाने और इसके पीछे के जबरदस्त भरोसे को बयां करता है। 4 अक्टूबर से सुरत से आगाज होगा, जिसके बाद बड़ौदा, अहमदाबाद समेत भारत के कई शहरों में यह संगीत–सफर गूंजेगा।इस दौरे का आइडिया उन्हें जून की शुरुआत में एक टेलीविजन पुरस्कार समारोह में अपनी पहली संयुक्त लाइव प्रस्तुति के दौरान आया, जहां उन्होंने राज कपूर और मनोज कुमार को संगीतमय श्रद्धांजलि दी थी।

आयोजक परेश खंडेलवाल दृ अध्यक्ष, यशवी समूह, ने बताया, हमने मिथुन और पलक को हाल ही में एक टेलीविजन अवॉर्ड शो में लाइव परफॉर्म करते देखा और मंत्रमुग्ध हो गए। हमारा सपना है कि उनकी इस जादुई प्रस्तुति को पूरे देश में लेकर जाएं। शुरुआत हम सुरत जैसे जादुई शहर और गुजरात के कुछ अन्य शहरों से करेंगे, फिर बाकी भारत में इसका कारवां बढ़ेगा।" मिथुन और पलक की जोड़ी 2013 में बनी, जब दोनों ने आशिकी 2 के हिट गीत मेरी आशिकी में साथ काम किया। तब से उनका सफर पेशेवर और निजी, दोनों ही स्तरों पर खिलता रहा है। उनका आने वाला यह दौरा न सिर्फ उनके संगीत के संगम का जश्न है, बल्कि बॉलीवुड की समृद्ध सिनेमाई विरासत के प्रति उनके साझा जुनून का भी उत्सव है।

120 बहादुर' टीजर पर मिले प्यार के लिए फरहान अख्तर ने फैंस को दिल से कहा शुक्रिया

फरहान अख्तर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर दिल से शुक्रिया अदा किया है। बता दें कि यह वीडियो उन्होंने अपनी फिल्म '120 बहादुर' के टीजर को मिले जबरदस्त प्यार और समर्थन के बाद शेयर किया है। इंस्टाग्राम वीडियो में फरहान, जिन्होंने रितेश सिधवानी के साथ अपनी प्रोडक्शन कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले यह फिल्म बनाई है, ने टीजर को मिले जोशीले रिस्पॉन्स के लिए फैंस का धन्यवाद किया। वीडियो में साफ दिख रहा था कि वह इस जबरदस्त प्यार से बेहद खुश और भावुक हो गए हैं, जो हर प्लेटफॉर्म से मिल रहा है। टीजर को इंडस्ट्री के सेलेब्स से भी खूब सराहना मिली है। फिल्ममेकर करण जौहर ने इसे "शानदार" कहा है, वहीं को–स्टार राशी खन्ना और अंकित सिवाच ने इस प्रोजेक्ट का हिस्सा होने पर गर्व जाहिर किया है। रजनीश 'रेजी' घई के निर्देशन में बनी 120 बहादुर मेजर शैतान सिंह भाटी (पीवीसी) और 13 कुमाऊं रेजिमेंट की चार्ली कंपनी की 1962 की रेजांग ला लड़ाई की बहादुरी दिखाती है। फिल्म लद्दाख की कड़ाके की ठंड में, 14,000 फीट की ऊंचाई और माइनस 10°से0 तापमान पर शूट हुई है। वहीं, अपने किरदार को असली बनाने के लिए फरहान ने कड़ा मिलिट्री ट्रेनिंग लेने के साथ ही शारीरिक बदलाव भी किए है। रजनीश 'रेजी' घई के निर्देशन और रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर (एक्सेल एंटरटेनमेंट) व अमित चंद्रा (ट्रिगर हैप्पी स्टूडियोज) के निर्माण में बनी यह फिल्म एक्सेल एंटरटेनमेंट का प्रोडक्शन है। यह 21 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अक्षय कुमार–अरशद वारसी की फिल्म कॉमेडी का डबल डोज

जॉली एलएलबी 3 का टीज़ररू सुभाष कपूर की अक्षय कुमार और अरशद वारसी अभिनीत जॉली एलएलबी 3 का टीज़र मंगलवार को रिलीज़ हो गया। जॉली एलएलबी सीरीज़ की तीसरी फ़िल्म में पहली दो फ़िल्मों के दो जॉली कोर्टरूम में आमने–सामने आते हैं, जिससे जज त्रिपाठी (जो सौरभ शुक्ला की भूमिका में हैं) को काफ़ी निराशा होती है। बॉलीवुड फ़िल्म श्जॉली एलएलबी 3श दो मशहूर वकीलों की कहानी पर आधारित है, श्मेरठ का जॉलीश, जिसका किरदार अरशद वारसी ने निभाया है, जो फ़िल्म के पहले भाग में नज़र आए थे, और श्कानपुर का जॉलीश, जिसका किरदार अक्षय कुमार ने फ़िल्म के दूसरे भाग में निभाया है। रिलीज़ की तारीख की बात करें तो, यह फ़िल्म 19 सितंबर, 2025 को बड़े पर्दे पर रिलीज़ होगी। बहुप्रतीक्षित फ़िल्म 'जॉली एलएलबी 3' के निर्माताओं ने मंगलवार, 12 अगस्त, 2025 को इसका आधिकारिक टीज़र जारी कर दिया। सुभाष कपूर द्वारा निर्देशित यह फ़िल्म जॉली एलएलबी सीरीज़ की तीसरी फ़िल्म और जॉली एलएलबी 2 का सीक्वल है। 1 मिनट 30 सेकंड का यह टीज़र वीडियो स्टार स्टूडियोज़ द्वारा यूट्यूब चौनल पर अपलोड किया गया है। इसकी शुरुआत केस नंबर 1722 की घोषणा से होती है, जहाँ निर्माता दर्शकों को जॉली मिश्रा (अरशद वारसी) और जॉली त्यागी (अक्षय कुमार) से मिलवाते हैं।

डायबिटीज से लेकर वेट लॉस तक, अनानास के ये फायदे जानकर हैरान रह जाओगे आप

अनानास सिर्फ एक स्वादिष्ट फल नहीं, बल्कि एक सुपरफूड है जो डायबिटीज कंट्रोल, वजन घटाने, और दिल–लिवर के स्वास्थ्य के लिए अद्भुत है। ब्रोमेलैन और विटामिन्स से भरपूर यह फल कई बीमारियों को दूर भगाने में मदद करता है।

अनानास ना सिर्फ एक मस्त और यम्मी फल है, बल्कि ये अपनी बॉडी के लिए एकदम सुपरफ्रूट जैसा है। इसमें इतने सारे विटामिन, मिनरल्स और मस्त–मस्त चीजें हैं कि ये दिल की बीमारी, शुगर, लिवर और मोटापे जैसी प्रॉब्लम्स को दूर भगा सकता है, जो आजकल इंडिया में बहुत कॉमन है। बस इसको सही तरीके से खाना जरूरी है।

दिल का अच्छा दोस्त अनानास

अनानास में ब्रोमेलैन नाम का एक एंजाइम होता है, जो खून को पतला करता है और सूजन कम करता है। रिसर्च बताती है कि ये दिल के दौरे (हार्ट अटैक) और स्ट्रोक (पक्षाघात) के चांसेस को कम कर सकता है, क्योंकि ये खून को जमने नहीं देता और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़िया रखता है। इसमें विटामिन सी भी भर–भर के होता है, जो धमनियों (आर्टरी) को मजबूत रखता है। साथ में पोटेशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखता है, जो इंडिया में 3 में से 1 अडल्ट के लिए एक बडी प्रॉब्लम है।

क्या डायबिटीज वाले खा सकते हैं?

अनानास में चीनी होती है, लेकिन अगर आप इसे कंट्रोल में खाएं, तो डायबिटीज वाले लोग भी इसे खा सकते हैं। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स (ळप) मीडियम है (लगभग 59), तो अगर आप ताजा अनानास थोडी क्वांटिटी में खाते हैं, तो आपका ब्लड शुगर लेवल एकदम से नहीं बढेगा। इसमें फाइबर और पानी भी होता है, जो शुगर को धीरे–धीरे बॉडी में जाने देता है।

ध्यान रखने वाली बात: टिन में बंद अनानास या जूस जिसमें एक्स्ट्रा चीनी हो, उसे बिलकुल नहीं खाना है। आप बस आधा कप (50–75 ग्राम) ताजा अनानास खा सकते हैं, और इसे प्रोटीन या हेल्दी फैट के साथ लेने से शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है।

लिवर को रखे फिट और फाइन

अपने इंडियन खाने में तेल और मसाले ज्यादा होते हैं, तो लिवर पर लोड पडना कॉमन बात है। लेकिन अनानास में विटामिन सी, मैंगनीज और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो लिवर को डैमेज होने से बचाते हैं। ब्रोमेलैन डाइजेशन को भी सही रखता है, जिससे लिवर पर कम बोझ पडता है। अगर आप इसे रेगुलर खाते हैं, तो ये लिवर को हेल्दी रखने और फैटी लिवर जैसी बीमारी से बचाने में हेल्प कर सकता है।

वेट लॉस में भी सुपर–डुपर हेल्पफुल

अनानास में कैलोरीज बहुत कम होती हैं (100 ग्राम में सिर्फ 42 कैलोरी) और ये फैट–फ्री होता है। इसकी नेचुरल मिठास आपको मीठा खाने की क्रेविंग से बचाती है, और फाइबर आपको पेट भरा हुआ महसूस कराता है। ब्रोमेलैन प्रोटीन को भी पचाने में मदद करता है, जिससे बॉडी को फायदे मिलते हैं।

टिप : सुबह या दोपहर के स्नैक में लगभग एक कप (150 ग्राम) अनानास खाना सही है, बस इस बात का ध्यान रखना कि ये आपकी डेली डाइट का हिस्सा हो।

ब्लड क्लॉट चुपचाप करता है हमला, ये 7 संकेत समझ लें वरना हो सकती है बड़ी मुश्किल

रक्त का थक्का या ब्लड क्लॉट, खून की एक गांठ होती है जो खून को तरल से जेल जैसी अवस्था में बदल देता है। जब हमारे शरीर को चोट लगती है, तो ये थक्का खून को बहने से रोकने में मदद करता है और हमें बचाता है। लेकिन अगर यह थक्का शरीर की नसों के अंदर बन जाए, तो यह खून के प्रवाह को रोककर जानलेवा समस्या पैदा कर सकता है।

ब्लड क्लॉट क्यों होता है?

सामान्य स्थिति में हमारा खून शरीर के हर हिस्से में आसानी से बहता रहता है। लेकिन अगर नसों के अंदर थक्का बन जाए, तो इसे थ्रोम्बोसिस कहा जाता है। ऐसे थक्के हार्ट अटैक, स्ट्रोक या फेफड़ों की गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। इसलिए ब्लड क्लॉट के लक्षणों को पहचानना बेहद जरूरी है।

ब्लड क्लॉट के 7 खतरे से भरे लक्षण जिन्हें नजरअंदाज न करें

बिना कारण अचानक खांसी आना

अगर आपको अचानक सूखी खांसी शुरू हो जाए जो सिरप से भी ठीक न हो, तो यह फेफड़ों में ब्लड क्लॉट यानी पल्मोनरी एम्बोलिज्म का संकेत हो सकता है। कभी–कभी खांसी के साथ खून के निशान भी आ सकते हैं।

एक हाथ या पैर का ठंडा हो जाना

अगर किसी हाथ या पैर में खून का थक्का जम जाए तो वहां खून का प्रवाह कम हो सकता है। उस अंग में ठंडापन, सुन्नता या झुनझुनी महसूस हो सकती है।

आंखों में अचानक धुंधलापन

अगर आंखों को खून पहुंचाने वाली धमनियों में थक्का जम जाए, तो एक आंख अचानक धुंधली दिख सकती है या कुछ देर के लिए नजर बंद हो सकती है। यह छोटे स्ट्रोक का संकेत हो सकता है।

सांस लेने पर तेज दर्द या कंधे में तकलीफ

फेफड़ों में ब्लड क्लॉट होने पर गहरी सांस लेने पर तेज दर्द हो सकता है, जो कंधे या पीठ के ऊपरी हिस्से तक फैल सकता है। इसे मांसपेशियों के दर्द के तौर पर भी समझा जा सकता है।

एक पैर पर लालिमा, सूजन और खुजली

गहरी नसों में थक्का बनने पर उस जगह की त्वचा लाल, गर्म और सूजी हुई दिख सकती है, बिना किसी दाने के। यह आमतौर पर एक ही पैर में होता है।

अचानक जबड़े में दर्द या दबाव महसूस होना

दिल से जुड़ी समस्याओं का संकेत कभी–कभी जबड़े या गर्दन में दर्द या दबाव के रूप में भी हो सकता है, खासकर महिलाओं में।

घुटने के पीछे या कमर में सूजन

अगर घुटने के पीछे या पेल्विक क्षेत्र में सूजन और हल्का दर्द हो, तो यह डीप वेन थ्रोम्बोसिस (गहरी नसों में थक्का) का संकेत हो सकता है।

ब्लड क्लॉट से कैसे बचें?

शरीर में दर्द, सूजन या असामान्य लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। ज्यादा देर तक एक जगह बैठे न रहें, खासकर लंबे सफर के दौरान। हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं और नियमित व्यायाम करें। डॉक्टर के बताए अनुसार दवाइयों का सेवन करें। ब्लड क्लॉट एक खतरनाक समस्या है, जो बिना किसी चेतावनी के जानलेवा बन सकती है। इसलिए ऊपर बताए गए 7 लक्षणों को नजरअंदाज न करें। अगर इनमें से कोई भी लक्षण दिखे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। समय पर इलाज से आपकी जान बचाई जा सकती है।

बीपी चेक करने के लिए अब नहीं उठानी पड़ेगी मशीन, ये डिवाइस पहले ही बजा देगी खतरे की घंटी

वैज्ञानिकों ने एक नया पट्टी जैसा पहनने योग्य डिवाइस विकसित किया है, जो लगातार ब्लड प्रेशर (बीपी) की निगरानी करने में सक्षम है। यह डिवाइस बिल्कुल पट्टी की तरह त्वचा पर चिपकाया जा सकता है और रीयल–टाइम में बीपी को मापता रहेगा। पारंपरिक बीपी मापने वाले उपकरणों में समय–समय पर माप लेना पड़ता है, लेकिन यह नया डिवाइस दिनभर लगातार और बिना रुकावट डेटा रिकॉर्ड करेगा।

कैसे काम करता है

इसमें सेंसर लगे होते हैं, जो त्वचा के जरिए ब्लड फ्लो और प्रेशर को मापते हैं। यह वायरलेस तरीके से डेटा को स्मार्टफोन या कंप्यूटर पर भेज सकता है। इससे मरीज के बीपी में होने वाले अचानक बदलाव का तुरंत पता चल सकेगा। यह तकनीक हॉस्पिटल, घर, स्पोर्ट्स और बुजुर्ग मरीजों की हेल्थ मॉनिटरिंग में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हो सकती है।

इस डिवाइस के फायदे

हाई बीपी या लो बीपी के मरीजों के लिए यह बेहतर मॉनिटरिंग है। डॉक्टर को लगातार डेटा मिलने से सही समय पर इलाज संभव इमरजेंसी में मरीज की जान बचाने में भी यह मददगार है। ये तकनीक खासतौर पर हार्ट पेशेंट्स, हाई बीपी वाले मरीज और बुजुर्गों के लिए बेहद उपयोगी है, क्योंकि यह बिना किसी रुकावट के उनकी स्वास्थ्य निगरानी करती है।

ब्लड प्रेशर के मरीज इन बातों का जरूर रखें ध्यान

नियमित मॉनिटरिंग करें: हाई बीपी या लो बीपी दोनों ही खतरनाक हो सकते हैं। रोजाना या डॉक्टर की सलाह के अनुसार बीपी चेक करते रहें।

लक्षणों को नजरअंदाज न करें: चक्कर आना, सिर दर्द, सांस फूलना, धुंधला दिखना या सीने में दर्द जैसे संकेतों को हल्के में न लें।

डॉक्टर के अपॉइंटमेंट मिस न करें: दवा बदलने या डोज एडजस्ट करने के लिए समय–समय पर डॉक्टर से मिलना जरूरी है।

नई तकनीक का लाभ लें: अब ऐसे पहनने योग्य डिवाइस आ रहे हैं जो बैंडेज की तरह बांधकर लगातार रियल–टाइम बीपी मॉनिटर करते हैं, जिससे समय पर खतरे का पता लगाया जा सकता है।

रेड कलर की साड़ी के साथ ट्राई करें ये लिपस्टिक शेड, मिलेगा ग्लैमरस लुक

रेड कलर की साड़ी के साथ अलग–अलग कलर की लिपस्टिक शेड्स अप्लाई कर सकती हैं। यह लिपस्टिक शेड लगाकर आपका लुक बहुत अच्छा लगेगा। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि रेड कलर की साड़ी के साथ कौन से लिपस्टिक शेड्स ट्राई कर सकती हैं।

मेकअप करना तो हम सभी को पसंद होता है। इसी कारण जब हम कुछ अलग कलर और डिजाइन के कपड़े पहनते हैं, तो उसी के हिसाब से मेकअप लुक क्रिएट करते हैं। ऐसा करने से हमारे लुक में चार चांद लग जाते हैं। वहीं रेड कलर की साड़ी के साथ अलग–अलग कलर की लिपस्टिक शेड्स अप्लाई कर सकती हैं। यह लिपस्टिक शेड लगाकर आपका लुक बहुत अच्छा लगेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि रेड कलर की साड़ी के साथ कौन से लिपस्टिक शेड्स ट्राई कर सकती हैं।

वाइन कलर लिपस्टिक

आप रेड कलर की साड़ी के साथ वाइन कलर लिपस्टिक शेड्स ट्राई कर सकती हैं। यह लिपस्टिक अप्लाई करने के बाद काफी अच्छी लगती है। इसमें आप मैट कलर और ग्लॉसी कलर ट्राई कर सकती हैं। आप चाहें तो इसमें ग्लिटर भी लगा सकती हैं। ऐसे में रेड कलर की साड़ी में आपका लुक काफी अच्छा लगेगा। मार्केट में आपको इस तरह के लिपस्टिक शेड्स काफी आसानी से मिल जाएंगे।

पीच कलर लिपस्टिक

रेड कलर की साड़ी के साथ आप पीच कलर लिपस्टिक शेड भी अप्लाई कर सकती हैं। यह लगाने के बाद काफी अच्छी लगती है। इसमें आपका मेकअप लुक अट्रैक्टिव नजर आएगा। वहीं मैट कलर काफी अच्छा लगेगा। मार्केट में आपको इस तरह के लिपस्टिक शेड्स आसानी से मिल जाएंगे।

न्यूड कलर लिपस्टिक शेड्स

आप रेड कलर की साड़ी के साथ न्यूड कलर लिपस्टिक लगा सकती हैं। यह लिपस्टिक शेड्स काफी अच्छे लगते हैं और इसमें ग्लॉसी कलर भी मिल जाएंगे। आप कभी भी इस तरह की लिपस्टिक ट्राई कर सकती हैं। इस तरह के लिपस्टिक शेड्स डार्क कलर की साड़ी के साथ अच्छे लगते हैं। वहीं मार्केट में आपको इस तरह की लिपस्टिक आसानी से मिल जाएगी।

संक्षिप्त

खुदरा महंगाई 2017 के बाद सबसे कम, जुलाई में सीपीआई मुद्रास्फीति दर खिसककर 1.55 प्रतिशत पर पहुंची

नई दिल्ली। जुलाई में खुदरा महंगाई दर घटकर 1.55 प्रतिशत पर आ गई। यह जून 2017 के बाद सबसे कम है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों में इसकी पुष्टि हुई है। सरकार ने मंगलवार को खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी किए। जुलाई में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर आठ साल के निचले स्तर 1.55 प्रतिशत पर आ गई। इसका मुख्य कारण सब्जियों और अनाजों सहित खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी है। सरकार ने मंगलवार को खुदरा महंगाई से जुड़े आंकड़े जारी किए। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति जून में 2.1 प्रतिशत और जुलाई 2024 में 3.6 प्रतिशत थी। जुलाई 2025 की मुद्रास्फीति जून 2017 के बाद सबसे कम है जब यह 1.46 प्रतिशत थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने कहा, ''जुलाई 2025 के महीने के दौरान हेडलाइन मुद्रास्फीति और खाद्य मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय गिरावट मुख्य रूप से अनुकूल आधार प्रभाव और दालों और उत्पादों, परिवहन और संचार, सब्जियों, अनाज और उत्पादों, शिक्षा, अंडे और चीनी और कन्फेक्शनरी की मुद्रास्फीति में गिरावट के कारण है।'' जुलाई में खाद्य मुद्रास्फीति दर वर्ष–दर–वर्ष (–) 1.76 प्रतिशत रही।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्तीय वर्ष में अब तक 4% घटकर 6.64 लाख करोड़ हुआ, आंकड़े जारी

नई दिल्ली। सरकार की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार इस वित्तीय वर्ष में अब तक देश का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 6.64 लाख करोड़ रुपये है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 3.95 प्रतिशत कम है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार यह कमी अधिक रिफंड जारी करने के कारण आई है। प्रत्यक्ष करों में कंपनियों, एकल व्यक्तियों, पेशेवरों और अन्य फर्मों की आमदनी पर लगने वाले टैक्स शामिल हैं। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार चालू वित्त वर्ष में 01 अप्रैल से 11 अगस्त तक शुद्ध कॉरपोरेट टैक्स कलेक्शन करीब 2.29 लाख करोड़ रुपये रहा। वहीं नन कॉरपोरेट शुद्ध टैक्स कलेक्शन जिनमें अविभाजित हिंदू परिवारों (HUF) व फर्म्स की आमदनी पर लगने वाले टैक्स शामिल होते हैं, करीब 4.12 लाख करोड़ रुपये रहा। 1 अप्रैल से 11 अगस्त के बीच प्रतिभूति लेनदेन कर (STT) संग्रह 22,362 करोड़ रुपये रहा। कुल शुद्ध संग्रह लगभग 6.64 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्तीय वर्ष (2024–25) की इसी अवधि में एकत्रित 6.91 लाख करोड़ रुपये से 3.95 प्रतिशत कम है। इस वित्तीय वर्ष में अब तक जारी रिफंड 10 प्रतिशत बढ़कर 1.35 लाख करोड़ रुपये हो गया। 1 अप्रैल से 11 अगस्त के बीच सकल संग्रह (रिफंड से पहले) 7.99 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 8.14 लाख करोड़ रुपये से 1.87 प्रतिशत कम है। चालू वित्त वर्ष (2025–26) में, सरकार ने प्रत्यक्ष कर संग्रह 25.20 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया है। जो पिछले साल की तुलना में 12.7 प्रतिशत अधिक है। सरकार का लक्ष्य वित्त वर्ष 26 में एसटीटी से 78,000 करोड़ रुपये जुटाना है।

उतार-चढ़ाव के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार; सेंसेक्स 368 अंक टूटा, निफ्टी भी लुढ़का

नई दिल्ली। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को उतार–चढाव के बाद भारतीय बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। घरेलू और अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों से पहले ब्लू–चिप बैंक शेयरों और सतर्कता के चलते यह गिरावट आई। निवेशकों की नजर 15 अगस्त को होने वाली अमेरिका–रूस वार्ता पर भी है। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 368.49 अंक या 0.46 प्रतिशत गिरकर 80,235.59 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 833.31 अंक के उतार–चढ़ाव के साथ 80,997.67 के उच्च स्तर और 80,164.36 के निम्न स्तर तक

गया। वहीं, एनएसई निफ्टी 97.65 अंक या 0.40 प्रतिशत गिरकर 24,487.40 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल?

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, इटरनल, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल रहे। वहीं मारुति, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एनटीपीसी प्रमुख लाभ में रहीं।

यूरोपीय बाजार में रहा मिला–जुला प्रदर्शन

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोपीय बाजार मिश्रित रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। सोमवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव 0.18 प्रतिशत बढ़कर 66.75 डॉलर रहा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.18 प्रतिशत बढ़कर 66.75 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 1,202.65 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। सोमवार को सेंसेक्स 746.29 अंक या 0.93 प्रतिशत बढ़कर 80,604.08 पर बंद हुआ। निफ्टी 221.75 अंक या 0.91 प्रतिशत चढ़कर 24,585.05 पर बंद हुआ।

एशिया कप टी20 में अब तक दो खिलाड़ियों ने लगाए शतक, सबसे ज्यादा रन और विकेट किसके नाम ?

नई दिल्ली। एशिया कप टी20 टूर्नामेंट का आगाज अगले महीने से होने जा रहा है। नौ सितंबर से 28 सितंबर तक टी20 प्रारूप में चलने वाले इस टूर्नामेंट का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। खासतौर पर इंतजार भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले हाईवोल्टेज मुकाबले को लेकर है। टूर्नामेंट के शेड्यूल के मुताबिक, यह मैच 14 सितंबर को दुबई में होना है। हालांकि, अभी तक यह तय नहीं है कि भारतीय टीम यह मैच खेलेगी या नहीं। वहीं, भारत अपना पहला मैच 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ खेलेगा। इस टूर्नामेंट के शुरू होने से पहले हम आपको इस टूर्नामेंट के कुछ बड़े रिकॉर्ड्स और स्टैट्स के बारे में बताने जा रहे हैं। इस टूर्नामेंट में अब तक कितने शतक लगे, किस–किस बल्लेबाज ने शतक लगाए, किसने सबसे ज्यादा रन बनाए और किसके नाम सबसे ज्यादा विकेट हैं...इत्यादि जैसे कई आंकड़ों के बारे में हम आपको बताएंगे...

भारत–श्रीलंका के नाम एक–एक एशिया कप टी20 का खिताब

सबसे पहले आपको यह बता दें कि एशिया कप वनडे और टी20 दोनों प्रारूपों में खेला जाता है। अगले साल होने वाले आईसीसी के मेजर टूर्नामेंट को देखते हुए इसका प्रारूप तय किया जाता है। उदाहरण के तौर पर अगले साल टी20 विश्व कप खेला जाना है, इस वजह से इस साल एशिया कप टी20 प्रारूप में खेला जा रहा है। वहीं, 2023 में वनडे विश्व कप हुआ था। इस वजह से उस साल एशिया कप वनडे प्रारूप में खेला गया था। 1984 में इस टूर्नामेंट की शुरुआत हुई थी और तबसे लेकर 2014 तक यह टूर्नामेंट वनडे प्रारूप में ही खेला गया था। 2016 में पहली बार एशिया कप का आयोजन टी20 प्रारूप में हुआ था। फिर 2022 में दूसरी बार यह टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला गया। 2018 और 2023 में यह वनडे प्रारूप में खेला गया था। 2016 में भारत ने, जबकि 2022 में श्रीलंका ने एशिया कप टी20 अपने नाम किया था। वनडे और टी20, दोनों प्रारूपों को मिला दिया जाए, तो भारत कुल आठ बार चौंपियन बना है। इसके बाद श्रीलंका का नंबर आता है। यह टीम छह बार एशिया कप का खिताब जीत चुकी है। वहीं, पाकिस्तान की टीम दो बार चौंपियन बनी है।

रन	खिलाड़ी	स्ट्राइक रेट	खिलाफ	साल
122*	विराट कोहली	200.00	अफगानिस्तान	2022
122	बाबर हयात	203.33	ओमान	2016
84	रहमानुल्लाह गुरबाज	186.66	श्रीलंका	2022
83	रोहित शर्मा	150.90	बांग्लादेश	2016
80	शब्बीर रहमान	148.14	श्रीलंका	2016

एशिया कप टी20 के दिलचस्प रिकॉर्ड और आंकड़े

एशिया कप (टी20) में कई दिलचस्प रिकॉर्ड दर्ज हुए हैं। विराट कोहली और बाबर हयात, एशिया के ऐसे दो बल्लेबाज हैं, जिन्होंने एशिया कप के टी20 प्रारूप में शतक लगाए हैं। संयोगवश दोनों ने 122–122 रन ही बनाए हैं। वहीं, भुवनेश्वर कुमार के नाम सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकॉर्ड है। उन्होंने 2022 में अफगानिस्तान के खिलाफ चार रन देकर पांच विकेट झटके थे। अफगानिस्तान के नजीबुल्लाह जादरान ने सबसे ज्यादा 13 छक्के लगाए हैं, जबकि सूर्यकुमार यादव ने इस टूर्नामेंट में 261.53 के अद्भुत स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। सबसे बड़े टीम टोटल का रिकॉर्ड भारत के पास है। उसने 2022 में अफगानिस्तान के खिलाफ 212/2 का सर्वोच्च स्कोर बनाया था।

एशिया कप टी20 में सबसे ज्यादा रन वाले बल्लेबाज

एशिया कप (टी20) में भारत के विराट कोहली सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 2016 और 2022 में दो एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में 10 मैचों में 429 रन बनाए, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान 281 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि रोहित शर्मा 271 रन बनाकर तीसरे स्थान पर हैं। हॉन्गकॉन्ग के बाबर हयात और अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान भी इस सूची में शामिल हैं।

एशिया कप टी20 में सबसे ज्यादा विकेट वाले गेंदबाज

एशिया कप टी20 में भुवनेश्वर कुमार का प्रदर्शन सबसे शानदार रहा है। उन्होंने 2016 और 2022 में एशिया कप टी20 के दो संस्करणों में छह मैचों में 13 विकेट झटके हैं। उनका इकोनॉमी रेट 5.34 का रहा है। यूएई के अमजद जावेद और मोहम्मद नवीद ने भी प्रभावी गेंदबाजी की, जबकि बांग्लादेश के अल–अमीन हुसैन ने पांच मैचों में 11 विकेट हासिल किए। भारत के हार्दिक पांड्या और अफगानिस्तान के राशिद खान ने भी 11–11 विकेट लिए, लेकिन उनकी इकोनॉमी अपेक्षाकृत अधिक रही।

एशिया कप 2025 से पहले वैभव सूर्यवंशी को बीसीसीआई का बेंगलुरु के लिए बुलावा, टीम इंडिया में होगी एंट्री !

आईपीएल 2025 में अपनी बेहतरीन बल्लेबाजी से सबको प्रभावित करने वाले वैभव सूर्यवंशी का प्रदर्शन ग्राफ लगातार बढ़ा है। भारत के हालिया अंडर–19 इंग्लैंड दौरे पर सभी फॉर्मेट में अपनी बेहतरीन फॉर्म नजारा पेश किया है। स्वदेश वापसी के बाद उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के साथ एक स्पेशल ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा लिया। इसके बाद अब वैभव बीसीसीआई के बुलावे पर बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट एकादमी पहुंच गए हैं। ऐसे में फैंस के मन में सवाल उठ रहे हैं कि क्या वह एशिया कप के लिए भारतीय स्क्वॉड में शामिल होंगे? दरअसल, माई खेल की एक रिपोर्ट बताया गया है कि वैभव सूर्यवंशी बीसीसीआई के एक विशेष ट्रेनिंग कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे, जिसमें तकनीकी अभ्यास और मैचों के दौरान विशिष्ट परिस्थितियों से निपटने की जानकारी दी जाएगी। वैभव के बचपन के कोच मनीष ओझा ने बताया कि बीसीसीआई पहले से ही इस युवा खिलाड़ी को संन्यास लेने वाले वरिष्ठ क्रिकेटरो की कमी को पूरा करने के लिए तैयार कर रहा है। और ये प्रशिक्षण केवल आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे से कहीं आगे तक के लिए है। उन्होंने बताया कि बीसीसीआई आगे की सोच के साथ काम कर रहा है। सीनियर खिलाड़ी संन्यास ले रहे हैं और उनकी जगह युवाओं के अगले बैच को तैयार होना होगा। वैभव की ये ट्रेनिंग उसी प्रक्रिया का हिस्सा है। हम एक–एक करके युवा खिलाड़ियों को चुनते हैं और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करते हैं। गौरतलब है कि, विराट कोहली और रोहित शर्मा के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद वनडे क्रिकेट से संन्यास की अटकलें लगाई जा रही हैं। ऐसे में उनकी जगहभरने के लिए पहले से ही तैयारी शुरू हो गई है। वैभव सूर्यवंश बेंगलुरु में करीब एक हफ्ते तक ट्रेनिंग ले सकते हैं। उसके बाद उन्हें अगले मैच के लिए भारत के अंडर–19 कैंप में शामिल होना है। उन्होंने कहा कि उसमें पहली गेंद से ही आक्रामक होने की क्षमता है, जो टी20 और वनडे के लिए सकारात्मक बात है। वह आईपील और अंडर–19 के साथ विजय हजारे ट्रॉफी में इसका नजारा पेश कर चुके हैं। हमारा लक्ष्य उसकी लंबे फॉर्मेट में निरंतरता को बढ़ाना है।

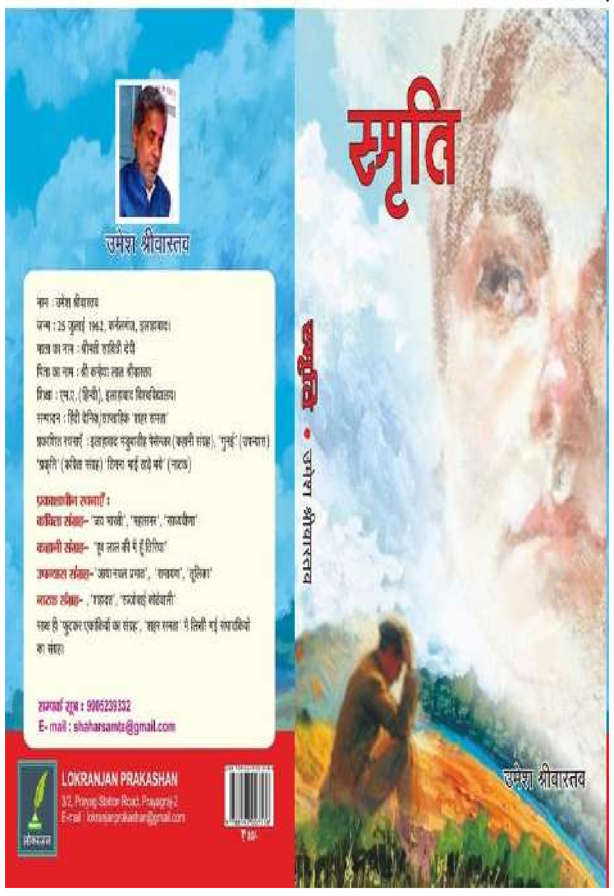

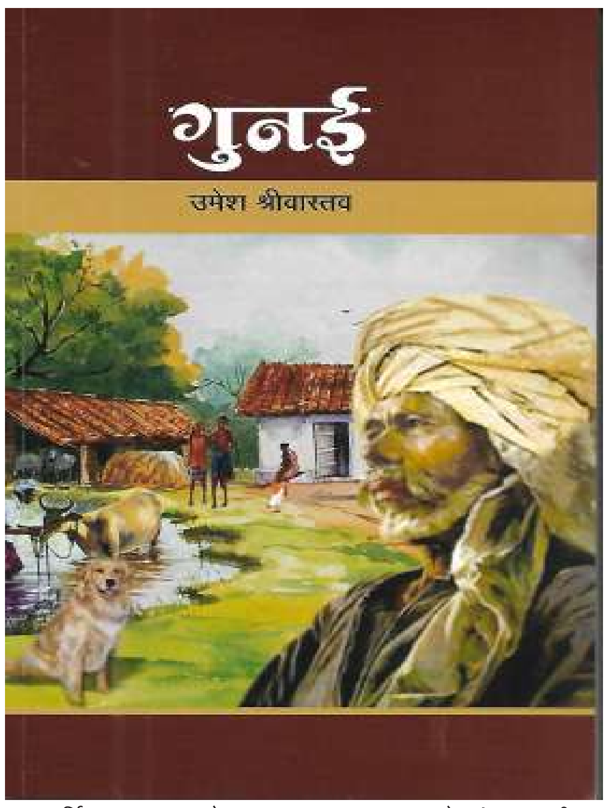

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

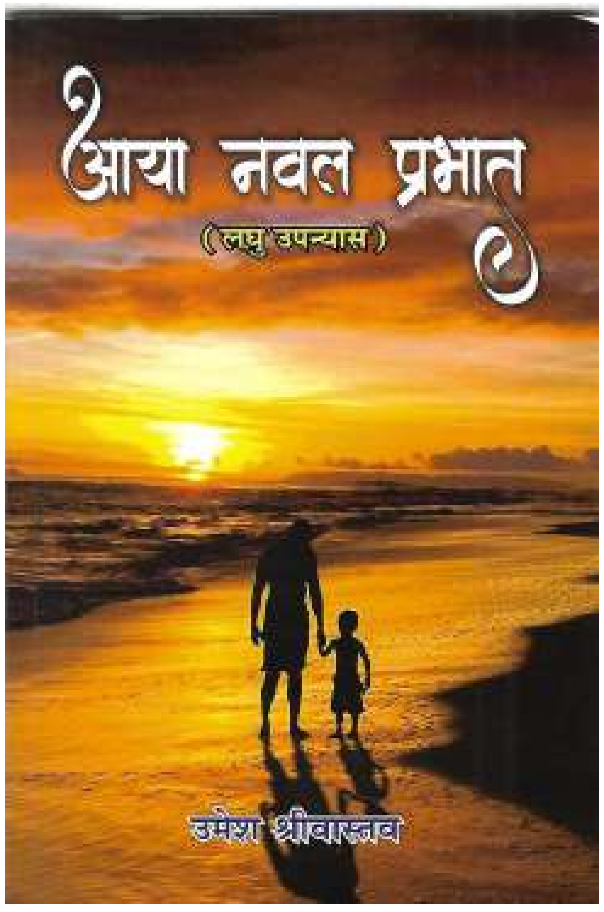

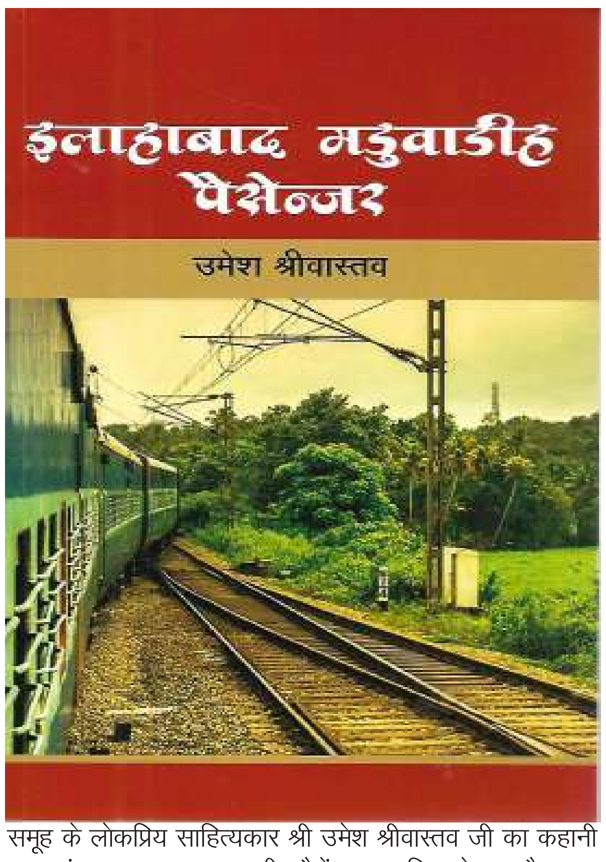

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

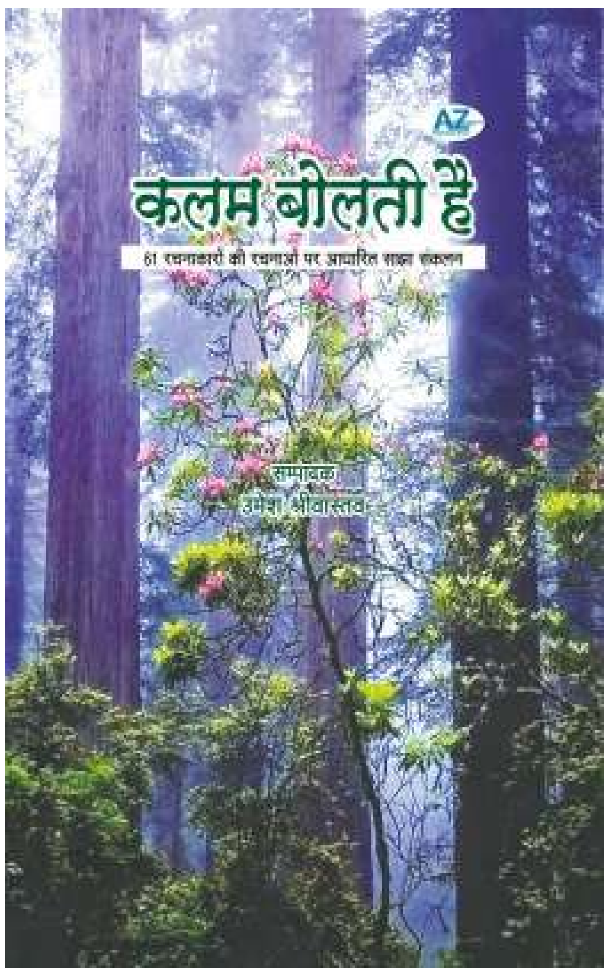

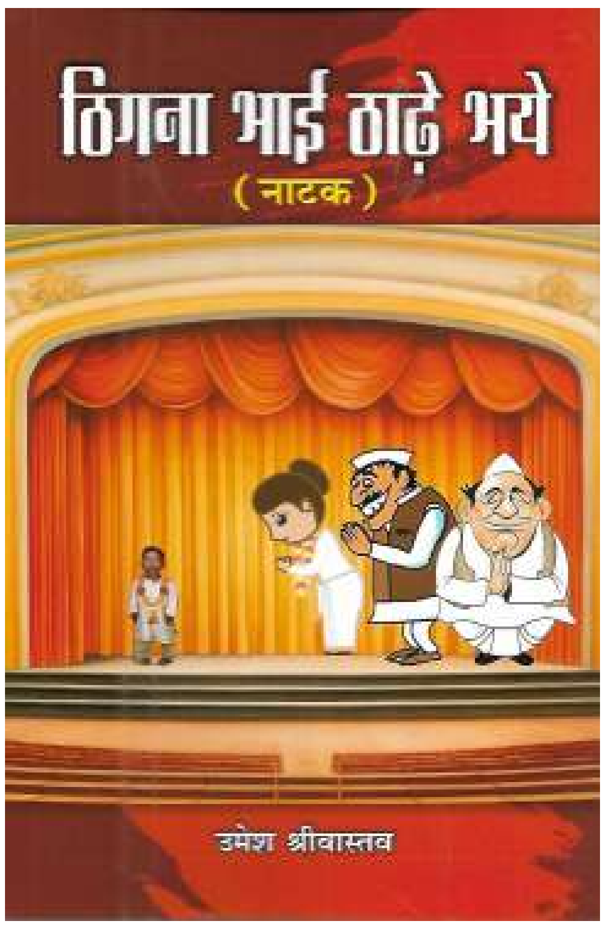

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

टला महाशक्तियों का 'आर्थिक युद्ध, अमेरिका-चीन व्यापार समझौते को 90 दिन की मोहलत

दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं द्वारा एक–दूसरे पर टैरिफ बढ़ाने से कुछ ही घंटे पहले अमेरिका और चीन ने अपने व्यापार युद्धविराम को 10 नवंबर तक बढ़ा दिया है। बीजिंग और वाशिंगटन ने एक संयुक्त बयान में कहा कि इस साल की शुरुआत में घोषित तीन अंकों वाले टैरिफ को अगले 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया जाएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को चीन के साथ व्यापार समझौते को 90 दिनों के लिए और बढ़ा दिया, जिससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच एक बार फिर से होने वाला खतरनाक टकराव टल गया है। ट्रंप ने अपने 'ट्रुथ

सोशल' मंच पर पोस्ट किया कि उन्होंने विस्तार के लिए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं और ''समझौते की अन्य सभी बातें जस की तस रहेंगी।'' चीन के साथ व्यापारिक समझौते की 90 दिन की पिछली समय सीमा मंगलवार रात 12 बजकर एक मिनट पर खत्म होने वाली थी। अगर ऐसा होता, तो अमेरिका चीन से होने वाले आयात पर पहले से जारी 30 प्रतिशत के उच्च करों को और बढ़ा सकता था और चीन अमेरिकी निर्यात पर जवाबी शुल्क बढ़ाकर इसका जवाब दे सकता था। इस समझौते की अवधि बढ़ाने से दोनों देशों को अपने कुछ मतभेदों को सुलझाने का समय मिल गया है, जिससे संभवतरू इस साल के अंत में ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच शिखर सम्मेलन का रास्ता साफ हो गया है। वहीं, चीन के साथ व्यापार करने वाली अमेरिकी कंपनियों ने भी इसका स्वागत किया है। 'यूएस–चाइना बिजनेस काउंसिल' के अध्यक्ष सीन स्टीन ने कहा कि इस विस्तार से दोनों सरकारों को व्यापार समझौते पर बातचीत करने के लिए और समय मिलेगा जो काफी ''अहम'' है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कारोबारियों को उम्मीद है कि इससे चीन में उनकी बाजार पहुंच में सुधार होगा और कंपनियों में मध्यम एवं दीर्घकालिक योजनाएं बनाने के लिए आवश्यक भरोसा कायम होगा।

हिंदुओं की मश्बब लींचिंग का गढ़ बनता जा रहा बांग्लादेश, अब भीड़ ने बच्चा चोरकर बताकर इतना पीटा, हुई मौत

बांग्लादेश में शेख हसीना शासन के निर्वासन के बाद से ही हिंदुओं पर हमले की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। हिंदुओं को पीटे जाने, उनके मकानों और दुकानों को आग लगाने व मंदिरों पर हमले की खबर अंतरिम सरकार के आने के बाद से ही लगातदार देखने को मिल रही है। आलम ये है कि बांग्लादेश हिंदुओं की मॉब लींचिंग का गढ़ बनता जा रहा है। एक साल में 142 भीड़ के हमलों में 69 मारे गए हैं। इनमें 21 हिंदुओं पर हमले भी शामिल हैं। अब ताजा मामला बांग्लादेश के रंगपुर का है। बांग्लादेश के रंगपुर जिले में भीड़ ने दो हिंदू नागरिकों की पीट–पीटकर हत्या कर दी। मृतकों की पहचान घनीरामपुर गांव के रुपलाल दास और उनके रिश्तेदार प्रदीप दास के रूप में हुई। रुपलाल जूते सिलने का काम करते थे, प्रदीप वैन चलाते थे। घटना के बाद रुपलाल की पत्नी न्याय की गुहार लगा रही हैं, जबकि उनके 3 बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया है। शनिवार रात 9 बजे तरगंज–काजीहाट मार्ग के बत्ताला इलाके में दोनों को वैन चोरी और बच्चे की चोरी के शक में रोक लिया गया। चूंकि क्षेत्र में हाल ही में एक बच्चे की हत्या और वैन चोरी की वारदात हुई थी। वैन में 4 छोटी बोतलें थीं, उनमें से एक में कथित फॉर्मेलिन जैसी गंध आ रही थी। लोगों ने दोनों को बेरहमी से पीटा और बेहोशी की हालत में बांधकर स्कूल मैदान में छोड़ दिया। देर रात पुलिस ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, तो रुपलाल को मृत घोषित किया गया, प्रदीप ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पिछले एक साल में बांग्लादेश में 142 भीड़ हमलों में 69 लोगों की मौत हुई, जिनमें 6 अल्पसंख्यक थे। हिंदू समुदाय पर 21 बार भीड़ हमले हुए।

पेन्सिलवेनिया में बड़ा हादसा, स्टील प्लांट में धमाके के बाद कई हताहत

अमेरिका के एक स्टील प्लांट में धमाका होने की खबर है। पिट्सबर्ग के पास एक स्टील संयंत्र में धमाके के बाद एक व्यक्ति की मौत हो गई, दर्जनों लोगों के घायल होने की आशंका है। कई लोग मलबे में फंसे हुए हैं। राहत और बचाव कार्य चलाने वाली रेस्क्यू टीम फंसे हुए लोगों को सुरक्षित बचाने के प्रयास कर रही है।

एलेघेनी काउंटी में आपात सेवा विभाग की प्रवक्ता कैसी रीगनर ने बताया कि प्लांट में धमाके के बाद आग सुबह करीब 10रू51 बजे (स्थानीय समय) लगी। विस्फोट में घायल हुए लोगों का इलाज किया जा रहा है। स्थानीय लोगों को घटनास्थल से दूर रहने को कहा गया है। संयंत्र के 1.6 किमी के दायरे में रहने वाले लोगों को घरों से बाहर न निकलने, घरों की सभी खिड़कियों और दरवाजों को बंद रखने, बाहर की हवा को अंदर आने से रोकने और एग्जॉस्ट फैन जैसे विकल्पों के उपयोग से बचने की सलाह दी गई है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

टैरिफ के बीच खामनेई की ट्रंप को खुली चुनौती, मच गई मीडिल ईस्ट में नई खलबली

ईरान और इजरायल के बीच की जंग को खत्म हुए केवल 47 दिन ही गुजरे हैं। मीडिल ईस्ट में शांति सी है। लेकिन डेढ़ महीना बीतते बीतते युद्ध का नया अध्याय लिखे जाने की आशंका तेज हो गई है। जिस अमेरिका के प्रचंड प्रहार के बाद ईरान और इजरायल के बीच 24 जून को युद्ध थमा था उसी अमेरिका से अब ईरान सीधे टकराने के लिए तैयार है, जिससे मीडिल ईस्ट में वॉर का नया चौप्टर खुल रहा है। असल में इस वॉर की जड़ में महत्वकांक्षा की पराकाष्ठा पर अहंकार को परिभाषित करने वाले डोनाल्ड ट्रंप को खामनेई की नई चुनौती जिसे शायद ही खुद को सुपरलीडर समझने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति बर्दाश्त कर पाएंगे। खामनेई के डिप्टी ने कहा है कि ईरान, अमेरिका की मध्यस्थता से आर्मेनिया और

अजरबैजान के बीच शांति समझौते के तहत पारगमन गलियारे के निर्माण का दृढ़ता से विरोध करेगा तथा चेतावनी देगा कि यह परियोजना, जो उसकी सीमा के करीब से गुजरती है, क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा होगी और इसे आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ईरान के विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर अपने पड़ोसियों के बीच शांति का स्वागत किया, लेकिन अली अकबर वेलयाती ने अर्ध–सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी को बताया कि तेहरान इस गलियारे को, जिसे ट्रम्प ब्रिज कहा जाता है, अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा मानता है, क्योंकि यह ईरान की उत्तरी सीमा पर अर्मेनियाई क्षेत्र के माध्यम से अज़रबैजान को उसके नखचिवन क्षेत्र से जोड़ेगा। अमेरिकी विदेश विभाग और ईरान के विदेश मंत्रालय ने टिप्पणी के लिए अलग–अलग लिखित अनुरोधों का तुरंत जवाब नहीं दिया। ट्रम्प द्वारा आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिनयान और अज़रबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव के साथ हस्ताक्षरित इस समझौते के तहत, अमेरिका को इस गलियारे का 99 साल का पट्टा दिया गया है, जिसे व्हाइट हाउस अंतर्राष्ट्रीय शांति और समृद्धि के लिए ट्रम्प रूट कह रहा है। ट्रम्प ब्रिज अमेरिकी सेना को ईरान के पूर्वी अज़रबैजान प्रांत के ठीक उत्तर में स्थित सीमा क्षेत्र तक सीधी पहुँच प्रदान करेगा, जिससे तेहरान में सुरक्षा संबंधी चिंताएँ बढ़ गई हैं। इस समझौते से दक्षिण काकेशस में अमेरिका की हिस्सेदारी भी बढ़ गई है, जो लंबे समय से रूसी प्रभाव वाले क्षेत्र में स्थित है। अज़रबैजान को उसके नखचिवन क्षेत्र से जोड़ने वाला गलियारा अर्मेनिया के दक्षिणी प्रांत स्यूनिक से होकर गुजरता है, जिससे अज़रबैजान के आर्थिक और सामरिक संबंध मजबूत होंगे, साथ ही क्षेत्रीय शक्ति रूस से दूर हो जाएगी। 2023 में अज़रबैजानी सेना द्वारा नागोर्नो–काराबाख से हजारों अर्मेनियाई लोगों को विस्थापित करने के बाद से क्रेमलिन का प्रभाव एक शक्ति मध्यस्थ के रूप में कम हो गया है। वाशिंगटन के साथ आर्मेनिया के घनिष्ठ संबंध एक प्रमुख भू–राजनीतिक पुनर्संरेखण का संकेत देते हैं। ईरान का कहना है कि यह गलियारा व्यापार के लिए अनावश्यक है, क्योंकि अज़रबैजान ईरानी क्षेत्र के माध्यम से नखचिवन तक पहुंच सकता है। नया मार्ग ईरान की आर्थिक स्थिति को कमजोर कर सकता है।

भारत-सिंगापुर साझेदारी को नई ऊंचाइयां, 10 बड़े समझौतों पर लगेगी मुहर!

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने मंगलवार को घोषणा की कि भारत–सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) का तीसरा दौर बुधवार को नई दिल्ली में होगा, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और विस्तारित एवं प्रगाढ़ बनाना है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह उच्च–स्तरीय चर्चा सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की अगले महीने संभावित भारत यात्रा से पहले हो रही है। भारत और सिंगापुर इस सप्ताह होने वाली अपने शीर्ष मंत्रियों की बैठक के दौरान उन्नत प्रौद्योगिकी, कनेक्टिविटी, कौशल विकास और डिजिटलीकरण जैसे क्षेत्रों में करीब 10 समझौता ज्ञापनों को अंतिम रूप देने की दिशा में काम कर रहे हैं। इस मामले से परिचित लोगों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों पक्ष भारत से सिंगापुर तक सौर ऊर्जा पहुंचाने के लिए समुद्र के नीचे केबल बिछाने के महत्वाकांक्षी प्रस्ताव को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में भी हैं, जो डेटा

कनेक्टिविटी भी प्रदान करेगी। भारत से सिंगापुर को ग्रीन अमोनिया और ग्रीन हाइड्रोजन के निर्यात का भीप्रस्ताव है, जिसे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के समग्र दृष्टिकोण के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। मामले से परिचित लोगों ने बताया कि इन प्रस्तावों को सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की अगले महीने संभावित भारत यात्रा से पहले अंतिम रूप देने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि भारत–सिंगापुर मंत्रीस्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) की तीसरी बैठक 13 अगस्त को नयी दिल्ली में होगी, जिसमें वोंग की यात्रा की तैयारियां की जाएंगी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव आईएसएमआर के तहत सिंगापुर के छह मंत्रियों के साथ वार्ता करेंगे। पिछले साल सितंबर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सिंगापुर यात्रा के दौरान भारत–सिंगापुर संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर ले जाया गया था। भारत और सिंगापुर के बीच होने वाली बैठक में कौशल विकास से जुड़े उन समझौतों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है, जिनका ध्यान विमानन, सेमीकंडक्टर और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर होगा। आईएसएमआर में वाशिंगटन की शुल्क (टैरिफ) नीति के प्रभाव और उससे निपटने के तरीकों पर भी चर्चा हो सकती है। सूत्रों ने बताया कि दोनों देश सालाना लगभग 1,00,000 भारतीयों को कौशल विकास प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से एक योजना पर काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि आईएसएमआर में सिंगापुर की कंपनियों के भारत में निवेश बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की जाएगी। पहली आईएसएमआर बैठक 17 सितंबर 2022 को नयी दिल्ली में हुई थी, जिसमें सिंगापुर के चार वरिष्ठ मंत्री भारत आए थे। दूसरी बैठक 26 अगस्त 2024 को सिंगापुर में आयोजित की गई थी। आगामी आईएसएमआर में दोनों देशों के बीच समग्र व्यापार को बढ़ावा देना भी प्रमुख एजेंडे में शामिल रहने की संभावना है। सिंगापुर, आसियान (दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों का संगठन) में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। यह प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रमुख स्रोत है।

असीम मुनीर ने रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी को उड़ाने की धमकी देकर मनोवैज्ञानिक युद्ध तेज कर दिया है

अमेरिका के फ्लोरिडा प्रांत के टाम्पा शहर में एक निजी डिनर के दौरान पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने भारत के आर्थिक ढांचे को भविष्य के किसी भी संघर्ष में निशाना बनाने की खुली धमकी दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने विशेष रूप से गुजरात के जामनगर स्थित रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के रिफाइनरी परिसर का उल्लेख किया जो विश्व का सबसे बड़ा सिंगल–साइट रिफाइनिंग कॉम्प्लेक्स है। हम आपको बता दें कि यह पहली बार है जब पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य नेतृत्व

ने भारत की प्रमुख आर्थिक संपत्ति का नाम लेकर उसे संभावित सैन्य लक्ष्य बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, मुनीर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट का उल्लेख किया जिसमें कुरआन की एक आयत के साथ रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी की तस्वीर लगाई गई थी। उन्होंने दावा किया कि हालिया तनाव के दौरान इस पोस्ट को उन्होंने स्वयं अधिकृत किया था ताकि भारत को यह संकेत दिया जा सके कि "अगली बार क्या किया जाएगा।" मुनीर ने अपने भाषण में सिंधु जल संधि (Indus Waters Treaty) के संदर्भ में कहा कि अगर यह संधि निलंबित रहती है, तो पाकिस्तान भारतीय बांधों पर मिसाइल हमले करेगा। उनके शब्दों में हम इंतज़ार करेंगे कि भारत बांध बनाए और फिर 10 मिसाइल से उसे खत्म कर देंगे। हम आपको बता दें कि यह भाषण पाकिस्तान के मानद वाणिज्य दूत द्वारा आयोजित ब्लैक–टाई डिनर में दिया गया, जिसमें लगभग 120 प्रवासी पाकिस्तानी मौजूद थे। इस कार्यक्रम के दौरान मोबाइल और डिजिटल उपकरणों पर प्रतिबंध था और कोई आधिकारिक बयान भी जारी नहीं किया गया। इसके बावजूद कई प्रत्यक्षदर्शियों ने मीडिया को सारा विवरण बताया। हम आपको बता दें कि मुनीर की फ्लोरिडा यात्रा मुख्यतः अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के कमांडर जनरल माइकल कुरिल्ला के विदाई समारोह में भाग लेने के लिए थी। इस दौरान कुरिल्ला ने पाकिस्तान को आतंकवाद–रोधी अभियानों में "बेहतरीन भागीदार" बताया और उन्हें पाकिस्तान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाज़ा गया। इसके अलावा, मुनीर ने हाल के भारत–अमेरिका संबंधों में आई खटास का हवाला देते हुए पाकिस्तान की 'राइवल पावर्स' के बीच संतुलन साधने की क्षमता पर जोर दिया और कहा कि पाकिस्तान को कूटनीति में "मास्टरक्लास" लेने की जरूरत है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि पाकिस्तान खुलकर अच्छाई की सराहना करता है और उदाहरण के तौर पर डोनाल्ड ट्रंप के नोबेल पुरस्कार नामांकन का हवाला दिया। जहां तक मुनीर की धमकी की बात है तो यह बयान केवल सैन्य धमकी नहीं बल्कि मनोवैज्ञानिक युद्ध (च्लबीवसवहपबंस ॅतंतिम) का हिस्सा है। किसी आर्थिक प्रतीक, जैसे जामनगर रिफाइनरी को नाम लेकर निशाना बनाने का उद्देश्य निवेशकों, औद्योगिक जगत और भारत के नीति–निर्माताओं में असुरक्षा की भावना पैदा करना है। चूंकि यह बयान अमेरिकी धरती पर, प्रवासी समुदाय के बीच दिया गया, इसका लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय मीडिया और अमेरिकी राजनीतिक–सुरक्षा हलकों तक संदेश पहुंचाना भी है। यह पाकिस्तान की "डुअल ऑडियंस स्ट्रैटेजी" का हिस्सा माना जा सकता हैकृ जिसमें घरेलू जनता और विदेशी ताकतें, दोनों को संकेत भेजे जाते हैं। हम आपको बता दें कि यद्यपि पाकिस्तान की पारंपरिक और मिसाइल क्षमता में कुछ हद तक ऐसी क्षमताएं हैं, लेकिन भारत के पास उन्नत वायु रक्षा प्रणाली (जैसें –400) और प्रतिरोधक हमले की क्षमता मौजूद है।

इसलिए वास्तविक युद्ध की स्थिति में यह आसान नहीं होगा। परंतु, ऐसी धमकियां रणनीतिक जोखिम–मानचित्र को जरूर प्रभावित करती हैं। इसके अलावा, मुनीर का भाषण ऐसे समय आया है जब भारत–अमेरिका व्यापारिक मतभेद सुर्खियों में हैं। पाकिस्तान इस अवसर का उपयोग खुद को एक "संतुलन साधने वाले साझेदार" के रूप में पेश करने में कर रहा है ताकि वॉशिंगटन में उसकी प्रासंगिकता बनी रहे। बहरहाल, मुनीर के इस भाषण को भारत के लिए महज़ बयानबाज़ी मानकर नज़रअंदाज़ करना रणनीतिक रूप से जोखिम भरा हो सकता है। यह न केवल संभावित सैन्य खतरों का संकेत है बल्कि पाकिस्तान के राजनीतिक–सैन्य तंत्र की मौजूदा सोच, अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसकी छवि–रणनीति और भारत के विरुद्ध मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने के प्रयासों की भी झलक देता है।

'हर पाकिस्तानी तैयार...', बिलावल भुट्टो ने सिंधु जल संधि पर भारत को युद्ध की धमकी दी

पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर द्वारा भारत को दी गई नई परमाणु धमकी के एक दिन बाद, पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ज़रदारी ने सोमवार को भारत के खिलाफ युद्ध की एक और धमकी दी है। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने सोमवार को भारत के खिलाफ एक और धमकी दी है और चेतावनी दी है कि अगर नई दिल्ली सिंधु जल संधि में बदलाव जारी रखता है तो भारत युद्ध की धमकी दे सकता है। सिंध सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा सोमवार को आयोजित एक समारोह में बोलते हुए, भुट्टो ने दावा किया कि भारत ने पाकिस्तान पर हमला किया है और इस मुद्दे पर भारत पर ष्बर्बरताष का आरोप लगाया। उन्होंने समर्थकों से कहा कि ष्हर पाकिस्तानी युद्ध लड़ने के लिए तैयार हैष और दावा किया कि पाकिस्तान की सशस्त्र सेनाओं ने भारत को ष्ऐतिहासिक जवाबष दिया है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बिलावल के हवाले से कहा, ष्अगर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिंधु पर हमले की घोषणा करते हैं, तो वह हमारे इतिहास, हमारी संस्कृति और हमारी सभ्यता पर हमला करते हैं।ष 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, के बाद भारत ने 1960 के समझौते को निलंबित कर दिया था। दिलचस्प बात यह है कि बिलावल की यह टिप्पणी पाकिस्तानी सेना प्रमुख द्वारा भारत को चेतावनी जारी करने के ठीक एक दिन बाद आई है। उन्होंने कथित तौर पर धमकी दी थी कि अगर पाकिस्तान ष्डूब गया, तो वह अपने साथ आधी दुनिया को भी ले जाएगाष। यह टिप्पणी कथित तौर पर फ्लोरिडा के टैम्पा में अमेरिकी सैन्य अधिकारियों के साथ एक बैठक के दौरान की गई थी। बिलावल ने मोदी पर सिंधु नदी पर प्रस्तावित जल परियोजना को एक चेतावनी के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया कि पाकिस्तान की जल आपूर्ति बाधित हो सकती है। उन्होंने कहा कि उन्होंने भारत की ष्आक्रामक जल नीतिष को उजागर करने के लिए विदेश में यह मुद्दा उठाया था, और दावा किया कि यह मई में एक सैन्य झड़प में भारत को मिले झटके का बदला था। उन्होंने आगे कहा कि षसिंध के लोगों ने हमेशा सिंधु नदी की रक्षा के लिए आगे आकर उसे खतरे में महसूस किया है... पाकिस्तान के लोगों में युद्ध की स्थिति में मोदी का सामना करने की ताकत है। उन्होंने कहा कि एक और युद्ध में पाकिस्तान ष्अपनी सभी छह नदियों पर पुनः अधिकार कर सकता है।

नई दिल्ली ने तीखी निंदा की और पाकिस्तान की परमाणु धमकियों को ष्साधारण व्यापारष बताया तथा पाकिस्तान की परमाणु कमान और नियंत्रण की अखंडता पर सवाल उठाया। भारतीय अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी सेना आतंकवादी समूहों के साथ मिलकर काम करती है, जिससे क्षेत्र की परमाणु स्थिरता खतरनाक रूप से अस्थिर हो जाती है।

विदेश मंत्रालय (डम्।) ने कहा, ष्भारत परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाता रहेगा।ष कई मौकों पर, भुट्टो ने 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद क्षेत्र में हालिया तनाव के लिए बिना किसी सबूत के भारत को दोषी ठहराया है और सिंधु जल संधि को स्थगित रखने के लिए भारत को धमकी भी दी है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।